▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 269 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्पों को सिद्धि में बदला : नितिन नवीन

6 पंजाब में शुरू हुआ 'आप' का काउंटडाउन?

7 समय और अनुभव के साथ बदला काम चुनने का नजरिया : सई ताम्हणकर

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान ने फतेह-दो मिसाइल प्रणाली का सफलापूर्वक प्रक्षेपण किया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने स्वदेश विकसित 'फतेह-दो' मिसाइल प्रणाली का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया है। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्नत विमानन उपकरणों और दिशा बताने वाले अत्याधुनिक सहायक उपकरणों से लैस इस मिसाइल का 'आर्मी रॉकेट फोर्स' ने प्रक्षेपण किया। बयान में कहा गया, इस प्रशिक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य सैनिकों को प्रशिक्षित करना, विभिन्न तकनीकी मापदंडों की पुष्टि करना और सटीकता व सुरक्षा बढ़ाने के लिए शामिल की गई विभिन्न उप-प्रणालियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना था।

पाक सेना ने अफगान तालिबान की चौकियों पर जवाबी हमले किए

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने मंगलवार को अफगान तालिबान के कथित बिना उकसावे वाले हमलों और सीमा पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों का जवाब दिया। एक खबर में यह जानकारी दी गई। 'ऑपरेशन गजब लिल हक' में कुछ दिन के विराम के बाद ये हमले हुए। यह अभियान पाकिस्तान ने 26 फरवरी को अफगान तालिबान द्वारा सीमा चौकियों पर किए गए हमलों के जवाब में शुरू किया था। सुरक्षा सूत्रों का हवाला देते हुए, 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने बताया कि पाकिस्तान सेना की जवाबी गोलीबारी में अफगान तालिबान और 'फितना अल-खवारिज' को निशाना बनाया गया।

यूएई ने ओपेक से अलग होने की घोषणा की, एक मई से प्रभावी होगा फैसला

दुबई/एपी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था। हालांकि, यूएई तेजी से पश्चिम एशिया में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जो समय के साथ रियाद (सऊदी अरब) के कुछ रुख के विपरीत रही है। ऐसा खासतौर से तब शुरू हुआ जब सऊदी अरब ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में खुद को दुनिया के लिए खोला।

महिलाओं के आरक्षण के अधिकार को लागू कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- नारी शक्ति ही विकसित भारत का सबसे मजबूत स्तम्भ है
- असली बात यह है कि यह सारे परिवारवादी और तुष्टीकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हुए हैं।

वाराणसी (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) समेत विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को रोकने के लिए हमला किया और कहा कि वह भरोसा दिलाना चाहते हैं कि महिलाओं के आरक्षण के अधिकार को लागू कराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

संसद में इस विधेयक के गिरने के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को 'जन-आक्रोश महिला सम्मेलन' को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा, ''आज इस कार्यक्रम में आप सभी बहनों-बेटियों से एक महायज्ञ की शुरुआत के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं।'' उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि ''काशी के सांसद, देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुझे देश हित में एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आप सबका आशीर्वाद चाहिए। यह बड़ा लक्ष्य लोकसभा विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना है।''

मोदी अपने सम्बोधन में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं होने के मुद्दे को लेकर विपक्ष पर खासे हमलावर रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति ही विकसित भारत का सबसे मजबूत स्तम्भ है और आज हर क्षेत्र और हर मोर्चे पर भारत की बेटियां इतना शानदार काम कर रही हैं तो स्वाभाविक है कि नीति निर्माण और राष्ट्र के भविष्य से जुड़े फैसलों में भी बहनों और बेटियों की भूमिका और बढ़नी ही चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने नया संसद भवन बनने के बाद सबसे पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून पारित करने का ही काम किया था और इसे जल्द लागू करने के लिये पिछले दिनों में संसद में संविधान संशोधन का प्रस्ताव लाया गया था लेकिन 40 साल से इस मामले को लटकाये कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक जैसी पार्टियों ने महिलाओं को एक बार फिर 'धोखा' दिया। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, ''असली बात यह है कि यह सारे परिवारवादी और तुष्टीकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हुए हैं। यह परिवारवादी दल देश की उन बेटियों को विधानसभा और संसद में नहीं आने देना चाहते हैं जो कॉलेज कैंपस से लेकर पंचायतों और स्थानीय निकायों तक हर जगह अपने दम पर नेतृत्व दे रही हैं।

राजनाथ सिंह ने एससीओ बैठक में कहा

आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड की कोई गुंजाइश नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत के ''दृढ़ संकल्प'' को दिखाया कि ''आतंकवाद के केंद्रों को न्यायोचित दंड से अब छूट नहीं है।'' उनके इस बयान को सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रभावशाली समूह को सरकार प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद के मुद्दे की अनदेखी नहीं करना चाहिए और इस खतरे से निपटने में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड के लिए कोई गुंजाइश नहीं है।

संघर्षों और भू-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि ''ताकत की असली परीक्षा'' उसका गरीबों और कमजोरों के खिलाफ इस्तेमाल करना नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल उनके हित में करना है जो अपनी रक्षा करने में समर्थ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक सहमति पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जहां 'सह-अस्तित्व, सह-जीवन और करुणा को अराजकता, प्रतिस्पर्धा और संघर्ष पर प्राथमिकता दी जाए।'

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एससीओ को आतंकवादियों को ''सहयोग देने, पनाह देने और सुरक्षित ठिकाने मुहैया कराने'' वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें सरकार द्वारा प्रायोजित उस सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए जो किसी राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला करता है। दोहरे मापदंड की कोई गुंजाइश नहीं है और एससीओ को आतंकवादियों को उकसाने, उन्हें पनाह देने और सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए।''

धन शोधन मामला:

ईडी ने अनिल अंबानी का फ्लैट, उनके बेटे का फार्महाउस कुर्क किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित फ्लैट और उनके बेटे जय अंशुल अंबानी के संयुक्त स्वामित्व वाले खंडाला स्थित फार्महाउस को 3,034 करोड़ रुपए के कुर्की आदेश के तहत कुर्क कर लिया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी कुर्की इन संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने और बैंकों तथा जनता के हितों की रक्षा के लिए की गई है। आरकॉम रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कंपनी है। आरएएजी के प्रवक्ता के मुताबिक, कुर्क की गई कुछ संपत्तियां अनिल अंबानी की मां कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी की हैं।

युवा रामायण और गीता का अध्ययन करें : वासुदेव देवनानी

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को युवाओं को सनातन परंपराओं के 'वैज्ञानिक पहलुओं' के बारे में शिक्षित करने और उन्हें रामायण तथा गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। देवनानी ने एक कार्यक्रम में यह बात कही जहां मंदिर प्रबंधन, सामाजिक संरचना और जनजागरुकता पर चर्चा हुई। देवनानी ने कहा कि सनातन मूल्यों को मजबूत करने और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने के लिए गहन विचार-विमर्श के साथ-साथ व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा

भारत के विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग समावेशी विकास पर आधारित हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग समावेशी विकास, मजबूत संस्थानों और व्यापक कौशल विकास पर आधारित होना चाहिए।

वित्त मंत्री यहां करकला तालुक में निट्टे विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित निट्टे विनय हेगड़े स्मृति व्याख्यान के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

'विकसित भारत- 2047 के लिए विजन' विषय पर बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत की विकास यात्रा केवल प्रमुख आर्थिक संकेतकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि अवसर छोटे कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों और पहली पीढ़ी के सीखने वालों तक पहुंचे।

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकास व्यापक और सहभागिता वाला होना चाहिए जहां समाज के प्रत्येक वर्ग का योगदान हो और आर्थिक प्रगति से उसे लाभ मिले। उन्होंने यह बात रेखांकित की कि भारत का जनसांख्यिकी लाभांश तभी आर्थिक मजबूती में तब्दील होगा जब शिक्षा और कौशल विकास में सतत निवेश होगा। उन्होंने कहा कि संस्थानों को उद्योग की उभरती जरूरतों और प्रौद्योगिकीय बदलावों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करना होगा जिससे युवा रोजगार के लायक और उद्यमी बनें।

सीतारमण ने कहा, ''युवा आजीविकाओं का निर्माण कर सकें और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर प्रशिक्षण तक सुगम पहुंच और सतत कौशल विकास महत्वपूर्ण है। उन्होंने उभरते उद्योगों के साथ-साथ पारंपरिक क्षेत्रों की भूमिकाओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिल्प, छोटे उपक्रम और क्षेत्र विशेष के कौशलों की वैश्विक बाजारों में जबरदस्त संभावनाएं हैं और प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं बाजार से जुड़ाव के जरिए इन्हें मजबूत किया जाना आवश्यक है। ये क्षेत्र जमीनी स्तर पर रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पटियाला में रेलवे पटरी पर विस्फोट

खालिस्तान समर्थक आतंकी मॉड्यूल से जुड़े चार संदिग्ध गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई समर्थित खालिस्तान समर्थक आतंकी मॉड्यूल ने सोमवार देर रात पटियाला के शंभू इलाके के पास एक मालगाड़ी कॉरिडोर की पटरी पर विस्फोट किया, जिसमें एक संदिग्ध की मौत भी हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि समूह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट सोमवार रात शंभू-अंबाला रेलवे पटरी के पास हुआ। उन्होंने बताया कि शुरू में इसे कम तीव्रता का विस्फोट माना गया था लेकिन बाद में जांच से पता चला कि यह पटरी को विस्फोट से उड़ाने की साजिश थी। पिछले तीन महीनों में मालगाड़ी कॉरिडोर को निशाना बनाकर किया गया यह दूसरा हमला था। इससे पहले जनवरी में, फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में एक 'डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर' की पटरी पर हुए विस्फोट में एक ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था और एक लोको पायलट घायल हो गया था।

सूर्यास्त	सूर्योदय
29-04-2026	30-04-2026
6:34 बजे	5:59 बजे

BSE	NSE
76,886.91	23,995.70
(-416.73)	(-97.00)

सोना	चांदी
15,900 रु.	252,260 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समझ सूत्र

केवल अच्छा वक्ता होना,
ना है अच्छाई का सबूत।
वादों के झूठे अमृत से,
जिंदा ना होते कभी भूत।
सच के चरखे पर ही कतता,
सत्ता के सुख का दीर्घ सूत।
सबका ही साथ जरूरी है,
ना होता कोई भी अछूत।।

फरेरा के तूफानी अर्धशतक से रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। डोनोवन फरेरा के तूफानी अर्धशतक और शुभम दुबे के साथ उनकी अटूट अर्धशतकीय साझेदारी से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया जो मौजूदा सत्र में पंजाब की टीम की पहली हार है।

पंजाब के 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल (51 रन, 27 गेंद, सात चौके, एक छक्का) और वैभव सूर्यवंशी (43 रन, 16 गेंद, पांच छक्के, तीन चौके) की तूफानी पारियों के बाद डोनोवन फरेरा (नाबाद 52 रन, 26 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) और शुभम दुबे (नाबाद 31 रन, 12 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के बीच पांचवें विकेट की 32 गेंद में 77 रन की अटूट साझेदारी से 19.2 ओवर में चार विकेट पर 228 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पंजाब के तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह (चार ओवर में 68 रन पर एक विकेट), लॉकी फर्ग्युसन (चार ओवर में बिना विकेट के 57 रन) और मार्को यानसेन (3.2 ओवर में बिना विकेट के 41 रन) ने 11.2 ओवर में एक विकेट पर 166 रन लुटाए जो टीम की हार का अहम कारण रहा।

पंजाब किंग्स ने मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 62, 22 गेंद, छह छक्के, चार चौके) के ताबड़तोड़ अर्धशतक और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन (59 रन, 44 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के जुझारू अर्धशतक से चार विकेट पर 222 रन बनाए। प्रभसिमरन ने अर्धशतक जड़ने के अलावा कूपर कोनोली (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 और कप्तान श्रेयस अय्यर (30) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी भी की।

स्टोइनिस की तूफानी पारी से पंजाब किंग्स की टीम आखिरी तीन ओवर में 55 रन जोड़ने में सफल रही।

रॉयल्स की ओर से लेग स्पिनर यश राज पुंजा सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 41 रन देकर दो विकेट चटकाए। नांद्रे बर्गर काफी महंगे साबित हुए। उन्होंने 59 रन देकर एक विकेट चटकाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स को वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने तूफानी शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी ने अर्शदीप सिंह की लगातार गेंदों पर छक्के और दो चौकों से खाता खोलने के बाद अगले ओवर में लॉकी फर्ग्युसन की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे।

सूर्यवंशी ने अर्शदीप के अगले ओवर में भी छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर मिड ऑफ से पीछे की ओर दौड़ते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने उनका कैच लपका।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष ने

ट्रंप के 'शांति बोर्ड' पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने मंगलवार को बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर बढ़ते दबाव के बीच संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'शांति बोर्ड' पर भी निशाना साधा और सवाल उठाया कि देशों के लिए सदस्यता शुल्क पर आधारित ढांचा कैसे काम करेगा।

ट्रंप ने जनवरी में शांति प्रयासों की देखरेख के लिए शांति बोर्ड (बीओपी) का अनावरण किया, जिसका ध्यान मुख्य रूप से गाजा पर केंद्रित था। स्थायी सदस्यों से एक अरब अमेरिकी डॉलर का शुल्क देने को कहा गया। आलोचना हुई कि बीओपी का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करना या उसकी जगह लेना है।

बेयरबॉक ने बीओपी से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को विश्व में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपे जाने के पीछे एक कारण है। उन्होंने कहा, क्योंकि हर देश, चाहे वह कितना भी बड़ा या छोटा हो, कितना भी शक्तिशाली या धनी हो, इसमें शामिल है, क्योंकि अगर आपको इसमें शामिल होने के लिए शुल्क देना पड़े तो दुनिया में किसी के लिए भी न्यायपूर्ण शांति नहीं मिल पाएगी।

यूएनजीए की अध्यक्ष ने कहा, हम बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ते विखंडन और संयुक्त राष्ट्र के तीन स्तंभों – शांति और सुरक्षा, विकास और मानवाधिकारों – पर बढ़ते दबाव को देख रहे हैं।

कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग ने बच्चों को अश्लील गानों पर नृत्य कराने पर प्रतिबंध लगाया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों को अश्लील गानों पर नृत्य कराने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। एक परिपत्र जारी कर यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि इस तरह के नृत्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालेंगे। इससे अनुशासनहीनता पैदा होगी और शिक्षा की पवित्रता को ठेस पहुंचेगी। राज्य के शिक्षा विभाग के आयुक्त कार्यालय ने एक परिपत्र जारी कर कहा, राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के सभी उप निदेशकों (प्रशासन) को निर्देश दिया गया है कि वे राज्य के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में बच्चों या छात्रों को अश्लील गीतों पर नृत्य करने से रोकने के लिए सख्त उपाय करें। इसमें कहा गया, यदि यह पाया जाता है कि बच्चों को अश्लील गानों पर नृत्य कराया जा रहा है, तो ऐसे स्कूल के प्रधानाध्यापक या प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

जीत अदाणी, राकेश भारती मित्तल ने कहा, विशाखापत्तनम देश का 'एआई प्रवेशद्वार' बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। उद्योगपति जीत अदाणी और राकेश भारती मित्तल ने भारत के एआई परिवेश को आकार देने में बुनियादी ढांचे, ऊर्जा एवं संपर्क के महत्व पर जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि विशाखापत्तनम एक प्रमुख 'डिजिटल प्रवेशद्वार' के रूप में उभरने जा रहा है।

विशाखापत्तनम के पास 15 अरब डॉलर के गूगल एआई डेटा सेंटर के शिलान्यास कार्यक्रम के बाद अदाणी समूह के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि अदाणी समूह और एयरटेल भी इसके निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) प्रतिस्पर्धा अब केवल सॉफ्टवेयर से नहीं बल्कि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा खड़ा करने की क्षमता से तय हो रही है और भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।

अदाणी ने कहा, ''कुछ क्षण इतिहास की दिशा तय करते हैं और आज विशाखापत्तनम ऐसा ही एक क्षण देख रहा है जब यह भारत के एआई-आधारित डिजिटल भविष्य का आधार बन रहा है।'' यह परियोजना अदाणीकनेक्स और नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है जिसका उद्देश्य 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप गीगावाट स्तर का एआई परिवेश स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि भारत में वर्तमान में करीब 1.3 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है और केवल विशाखापत्तनम में करीब एक गीगावाट (1000 मेगावाट) क्षमता विकसित करने की योजना है, जो बड़े बदलाव का संकेत है।

जीत अदाणी ने कहा कि एआई परिवेश में ऊर्जा की भूमिका केंद्रीय है, क्योंकि बुद्धिमत्ता (इंटेलिजेंस) की लागत सीधे बिजली की लागत से जुड़ी होती है और सस्ती ऊर्जा से एआई का व्यापक उपयोग संभव होगा। उन्होंने कहा कि समुद्र के भीतर बिछाई जा रही केबल अवसंरचना से यह बंदरगाह शहर एक नए डिजिटल प्रवेशद्वार के रूप में उभरेगा जिससे विलंब में कम होगी और 'एआई वर्कलोड' को तेजी से संचालित करने में मदद मिलेगी।इस बीच, भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश मित्तल ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश सरकार ने नीतिगत स्पष्टता और क्रियान्वयन क्षमता दिखाई है। उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम जो पहले समुद्री प्रवेश द्वार था...अब मजबूत फाइबर नेटवर्क और डिजिटल अवसंरचना के सहारे एआई (इंटेलिजेंस) युग का प्रवेश द्वार बनेगा। मित्तल ने कहा, ''इस क्षेत्र के लिए अवसर बेहद बड़े हैं और विशाखापत्तनम डिजिटल इंडिया तथा एआई-आधारित अवसंरचना का प्रमुख प्रवेश द्वार बनेगा।'' उन्होंने बताया कि नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल देशभर में 120 से अधिक डेटा सेंटर संचालित करता है और यह परियोजना टिकाऊ होगी तथा नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होगी। मित्तल ने कहा कि इस पहल में अत्याधुनिक केबल लैंडिंग स्टेशन और मजबूत शहर व अंतर-शहर फाइबर नेटवर्क शामिल होंगे, जिससे क्षमता और मजबूती बढ़ेगी।

कांग्रेस के 'महिला विरोधी' होने का दावा गलत, रीजीजू से कभी ऐसी बात नहीं की : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू के एक दावे को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने रीजीजू के साथ बातचीत में कभी भी कांग्रेस के ''महिला विरोधी'' होने जैसी बात नहीं की थी, बल्कि यह कहा था कि उनकी पार्टी महिलाओं के अधिकारों के लिए खड़ी रही है।

दरअसल, संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा है कि महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा से पारित नहीं होने के बाद थरूर ने उनसे बातचीत में कहा था कि कांग्रेस ''महिला विरोधी'' हो सकती है, लेकिन उन्हें भला कोई महिला विरोधी कैसे कह सकता है। उनके इस दावे को लेकर थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुझे खेद है, लेकिन किरेन रीजीजू के प्रति अत्यंत सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि मैंने कभी भी ऐसी कोई बात नहीं कही या इसका संकेत नहीं दिया और मेरे पास तस्वीर में सात लोग गवाह के रूप में मौजूद हैं, जो इसकी पुष्टि कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''सोनिया गांधी जैसी मजबूत महिला नेता के नेतृत्व में कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों और महिला आरक्षण के लिए खड़ी रही और महिला आरक्षण विधेयक की शुरुआत की। यह विधेयक कांग्रेस की सरकार के समय राज्यसभा में पारित हुआ था। वर्ष 2023 में यह विधेयक फिर से लाए जाने पर भी कांग्रेस ने संसद में इसका समर्थन किया था।''

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य, ''हम पूरी तरह से महिला आरक्षण के पक्ष में हैं और परिसीमन से जोड़े बिना इसे अभी लागू करने के लिए तैयार हैं।''

थरूर ने 18 अप्रैल को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री के साथ अपनी बातचीत का एक अंश साझा किया था और कहा था कि भाजपा नेता ने स्वीकार किया कि कोई भी उन्हें (थरूर को) कभी भी महिला विरोधी नहीं कह सकता।

बैंकॉक से बेंगलूरु पहुंचे यात्री से हवाई अड्डे पर 1.28 करोड़ रुपये का गांजा बरामद

बेंगलूरु। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए एक यात्री को मंगलवार को पकड़ा गया और उसके पास से 1.28 करोड़ रुपये का 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान उजागर नहीं की गई है और उसे स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। बेंगलूरु सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमने बैंकॉक से आए एक यात्री को रोका और बैग में छिपाकर रखा गया 1.28 करोड़ रुपये का 3.66 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया। हाइड्रोपोनिक गांजा का मतलब है ऐसा गांजा जिसे मिट्टी की बजाय हाइड्रोपोनिक्स (पानी-आधारित खेती) तकनीक से उगाया जाता है।

जम्मू कश्मीर में पांच लाख परिवारों को भौतिक सत्यापन के बाद पक्के मकान दिए जाएंगे : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में कच्चे मकानों में रहने वाले सभी पांच लाख परिवारों को भौतिक सत्यापन के बाद पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएंगे।

चौहान ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुझे पीएम आवास योजना के तहत गरीब परिवारों को पक्के मकान मुहैया कराने की जिम्मेदारी सौंपी है। जम्मू कश्मीर में हुए एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि पांच लाख परिवारों के पास स्थायी आवास नहीं है।

भौतिक सत्यापन के बाद मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि जम्मू कश्मीर में कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा।'' मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के द्वितीय बैच के तहत 3,550 करोड़ रुपए की लागत से 1,600 किलोमीटर लंबी 330 नई सड़क परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। इन सड़कों से जम्मू कश्मीर की 363 दूरस्थ बस्तियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और सरकार इस दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर को विकसित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। विकास सरकार का कर्तव्य है, लेकिन मोदी सरकार जम्मू कश्मीर को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश में सड़क संपर्क की समस्या अधिक है। हम जम्मू कश्मीर को प्राथमिकता मानते हैं। पीएमजीएसवाई-चतुर्थ, प्रथम बैच के तहत सड़क परियोजनाओं की मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य था और द्वितीय बैच में भी मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य है।'' चौहान ने महिला स्वयं सहायता समूहों के बारे में कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 4,000 करोड़ रुपए वितरित किए जा रहे हैं।

'आपको मामा कहना गलत नहीं है' : उमर अब्दुल्ला ने शिवराज सिंह चौहान की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को श्रीनगर के एसकेआईसीसी में नई ग्रामीण विकास परियोजनाओं की शुरुआत के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जमकर प्रशंसा की और उन्हें केंद्र शासित प्रदेश का ''सच्चा मित्र और शुभचिंतक'' बताया। इससे पहले, चौहान ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के चौथे चरण के तहत 330 नई सड़क परियोजनाओं की शुरुआत की। सरकार के एक बयान के अनुसार, इन सड़कों से जम्मू-कश्मीर की दूरदराज की 363 बस्तियों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि धनराशि का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाए।

उमर अब्दुल्ला ने यहां कार्यक्रम में कहा, ''हमारी सरकार डेढ़ साल से सत्ता में है। आपने (चौहान) बार-बार यह साबित किया है कि आप न केवल जम्मू-कश्मीर के मित्र हैं, बल्कि उसके शुभचिंतक भी हैं। मध्य प्रदेश की जनता आपको 'मामा' कहकर पुकारती है,

और आपको 'मामा' कहना गलत नहीं है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल उन्हें और धनराशि मांगने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पिछले एक साल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जम्मू-कश्मीर को 8,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मंजूर की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हम अगले कुछ महीनों में स्वीकृत परियोजनाओं पर काम शुरू कर देंगे। जब आप काम से संतुष्ट हो जाएंगे, तो मैं (उपमुख्यमंत्री) सुरिंदर चौधरी के साथ और अधिक परियोजनाओं की मंजूरी के लिए आपसे दोबारा संपर्क करूंगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क संपर्क दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन को काफी हद तक बदल देता है क्योंकि इससे उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलती है।

रेलवे स्टेशनों के पहुंच मार्गों के विकास के लिए मुख्यमंत्री कदम उठाएं: किशन रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से आग्रह किया कि वे यहां चर्लापल्ली और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशनों के पहुंच मार्गों के विस्तार के लिए आवश्यक कदम उठाएं। सिकंदराबाद से लोकसभा सदस्य किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके पूर्ववर्ती के. चंद्रशेखर राव को पत्र लिखने के बावजूद अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में किशन रेड्डी ने कहा कि मौजूदा सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर बढ़ते दबाव को देखते हुए चर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल को 430 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में यात्री चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन का उपयोग करते हैं, इसलिए उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्टेशन के पहुंच मार्गों का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'पार्किंग' और अन्य यात्री सुविधाएं स्थापित करने के लिए चर्लापल्ली में भूमि अधिग्रहण करने की भी जरूरत है। किशन रेड्डी ने यह भी कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के सामने वाली सड़क का विस्तार किया जाना आवश्यक है ताकि सुचारू यातायात सुनिश्चित हो सके। इस रेलवे स्टेशन का 715 करोड़ रुपए की लागत से भव्य स्तर पर पुनर्विकास किया जा रहा है।

स्वयंभू बाबा अशोक खरात का संबंध अजित पवार विमान हादसे से लगता है, सीआईडी करे जांच : रोहित पवार

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के विधायक रोहित पवार ने मंगलवार को आरोप लगाया कि नासिक स्थित स्वयंभू बाबा अशोक खरात उनके चाचा एवं महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े घातक विमान हादसे से प्रथम दृष्टया संबंधित है। उन्होंने मांग की कि अपराध जांच विभाग खरात से पूछताछ करे।

विमान दुर्घटना की जांच की स्थिति का जायजा लेने के लिए पुणे में सीआईडी कार्यालय का दौरा करने के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बारामती में एक छोटे नेता के माध्यम से दिवंगत अजित पवार के घर के बाहर कुछ तांत्रिक अनुष्ठान किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया, ''अजित दादा के घर के पास एक बकरी लटकी हुई मिली थी। खरात ने एक किसान से कहा था कि पवार परिवार पर निकट भविष्य में हमला हो सकता है। बारामती का एक छोटा नेता अनुष्ठानों के लिए खरात के यहां जाया करता था और अजित दादा के करीबी नेताओं के संपर्क में था।

गडकरी ने बीआरओ की सड़क परियोजनाओं के पूरा होने में देरी पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा सड़क बनाने में हो रही देरी पर चिंता जताई।

उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में राजमार्ग परियोजनाओं के तेजी से निष्पादन के लिए प्रणाली को आधुनिक बनाने की जरूरत बतायी। गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत को निर्णय लेने की प्रक्रिया में और तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''पहले मुझे हिचकिचाहट महसूस होती थी, जब बीआरओ के अधिकारी वर्दी में मिलने आते थे। मैंने उनसे

नागरिक वेशभूषा में आने का अनुरोध किया। रक्षा बलों की छवि क्या है – अनुशासित रहना और समय पर निर्णय लेना।''

मंत्री ने कहा, ''सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क परियोजनाएं वर्षों से लंबित हैं, और परियोजनाओं की लागत भी बढ़ रही है।'' बीआरओ रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करता है। वर्ष 1960 में स्थापित बीआरओ भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों और पड़ोसी देशों में सड़क नेटवर्क और रणनीतिक बुनियादी ढांचे का विकास और रखरखाव करता है। मंत्री ने यह भी कहा कि राजमार्ग मंत्रालय एक ऐसी व्यवस्था पर काम कर रहा है जिसके तहत अधिग्रहित किए जा रहे भूखंडों पर बने घर की सही लागत तय की जा सके। उन्होंने निर्णय लेने में देरी, खराब योजना और जवाबदेही की कमी को परियोजना में देरी और लागत बढ़ने का मुख्य कारण बताया। गडकरी ने कहा, ''भूमि अधिग्रहण और अनुमति में देरी जैसे छोटे मुद्दे भी बड़े नुकसान का कारण बनते हैं।'' उन्होंने बताया कई बार ठेकेदार खराब गुणवत्ता का काम करते हैं, फिर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती क्योंकि गड़बड़ी दुरूस्त करने की जिम्मेदारी की अवधि केवल कागजों पर रह जाती है।

गोदाम में लगी भीषण आग आसपास की इमारतों में फैली

50 महिलाओं को सुरक्षित निकाला गया

बेंगलूरु। बेंगलूरु स्थित एक गोदाम में लगी भीषण आग चार मंजिला पीजी' इमारत और आसपास की आवासीय इमारतों तक फैल गई जिसके बाद करीब 50 महिलाओं को सुरक्षित निकाला गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नंदिनी लेआउट स्थित गोदाम में शनिवार देर रात 12 बजकर करीब 50 मिनट पर आग लग गई। इस गोदाम में बैनर और एलईडी स्क्रीन रखे हुए थे। पुलिस ने बताया कि इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, तेजी से फैली आग ने 'पीजी' इमारत और आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद लगभग 50 महिलाओं को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि धुएं और आग की लपटों के बीच इमारत से कुछ महिलाएं नीचे कूद गईं। घटना के बाद, गोदाम के सामने खड़े एक दोपहिया वाहन समेत दो गाड़ियां पूरी तरह से जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन एवं आपात सेवा कर्मी दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और उसके बाद आग पर काबू पा लिया गया।

जम्मू-कश्मीर : 17 पूर्व छात्रों के आतंकी संगठनों में शामिल होने के बाद मदरसा गैरकानूनी घोषित

श्रीनगर/भाषा। दारूल उलूम जामिया सिराजुल उलूम के 17 पूर्व छात्रों के आतंकवादी संगठनों में शामिल होने और बाद में अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे जाने के बाद अधिकारियों ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएईपीए) के तहत मदरसे को गैरकानूनी घोषित कर दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा, ''संस्थान के 17 पूर्व छात्र आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए और बाद में अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गए, जो कि विचारधारा थोपने और भर्ती करने के एक सुसंगत पैटर्न को दर्शाता है।'' कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने 24 अप्रैल को शोपियां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पेश एक दस्तावेज के आधार पर दो पृष्ठों का आदेश जारी किया, जिसमें शोपियां के इमाम साहिब स्थित दारूल उलूम जामिया सिराजुल उलूम में कथित अवैध गतिविधियों की ओर इशारा किया गया था। गर्ग के आदेश के अनुसार, ''संस्थान के जमात-ए-इस्लामी के साथ निरंतर और गुप्त संबंधों को इंगित करने वाले विश्वसनीय इनपुट और साक्ष्य रिकॉर्ड पर मौजूद हैं''। जमात-ए-इस्लामी पर केंद्र ने 2019 में प्रतिबंध लगा दिया था। आदेश में कहा गया है कि प्रतिबंधित संगठन से जुड़े व्यक्तियों का संस्थान पर वास्तविक नियंत्रण था, जिसमें उन्हें प्रमुख प्रशासनिक और शैक्षणिक पदों पर नियुक्त करना भी शामिल था।

मुख्यमंत्री नायडू ने केंद्रीय मंत्रियों के साथ सिम्हाचलम मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय मंत्रियों के साथ मंगलवार को सिम्हाचलम स्थित श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर गए और पूजा-अर्चना की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इससे पहले दिन में विशाखापत्तनम के पास तारलुवाडा में 15 अरब अमेरिकी डॉलर के गूगल एआई डेटा सेंटर की नींव रखने के बाद, नायडू ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री पी चंद्रशेखर और राम मोहन नायडू किंजरापू के साथ-साथ राज्य के मंत्रियों के साथ सिम्हाचलम का दौरा किया, जहां उन्होंने दर्शन किए। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' नायडू ने केंद्रीय और राज्य मंत्रियों के साथ आज सिम्हाचलम स्थित श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की।'' मंदिर के पुजारियों के साथ मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गर्भगृह में प्रार्थना की।

दर्शन के बाद, पुरोहितों ने 'वेद आशीर्वाद' (वैदिक आशीर्वाद) दिया और गणमान्य व्यक्तियों को 'तीर्थ प्रसाद' (पवित्र जल) प्रदान किया। सिम्हाचलम स्थित श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर आंध्र प्रदेश के प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थलों में से एक है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

कमजोर या मनगढ़ंत जांच से आपराधिक मुकदमा कमजोर पड़ता है : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि कमजोर या पूर्व-नियोजित जांच, दोनों ही आपराधिक अभियोजन के लिए घातक हैं, लेकिन पूर्व-नियोजित जांच अधिक ''घातक'' होती है, क्योंकि इसमें निर्दोष लोगों के फंसने की पूरी संभावना होती है।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने ये टिप्पणियां असम में जुलाई 2008 में दर्ज हत्या के एक मामले के आरोपियों को बरी करते हुए कीं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह अपराध अनसुलझा ही रह गया और 16 लोगों के खिलाफ मुकदमे पर काफी समय एवं धन खर्च हुआ। इनमें से कुछ की मुकदमे के दौरान मृत्यु भी हो गई तथा बाकी को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा।

पीठ ने अपने फैसले में कहा, ''कमजोर जांच या पूर्व-नियोजित जांच, दोनों ही, आपराधिक अभियोजन के लिए घातक हैं; लेकिन दूसरी स्थिति (पूर्व-नियोजित जांच) के परिणाम अधिक

गंभीर होते हैं, क्योंकि इसमें निर्दोष लोगों के फंसने की पूरी संभावना होती है।'' शीर्ष अदालत ने उन आरोपियों की अपीलों पर अपना फैसला सुनाया, जिन्होंने मार्च 2021 के उस निर्णय को चुनौती दी थी, जिसे गौहाटी उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा था। पीठ ने कहा कि कुल 16 लोगों के विरुद्ध आरोप-पत्र दाखिल किया गया था, जिनमें से एक की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई। शीर्ष अदालत ने बताया कि 12 आरोपियों को दोषी ठहराया गया और उन्हें कथित अपराधों के लिए दंडित किया गया, जिनमें तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के अंतर्गत आरोप भी शामिल थे। उच्च न्यायालय ने 11 आरोपियों की दोषसिद्धि और दंड को बरकरार रखा था, जबकि एक आरोपी को दोषमुक्त कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि दोषी ठहराए गए लोगों ने उसके समक्ष अपील दायर की है, जिनमें से दो अपीलकर्ता अब इस दुनिया में नहीं रहे। पीठ ने अपील स्वीकार करते हुए अपीलकर्ताओं को बरी कर दिया।

हरियाणा: भिवानी में एक निजी बस में आग लगने से दो लोगों की मौत, सात घायल

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के भिवानी जिले में एक निजी बस में आग लगने से दो यात्रियों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तोशाम (भिवानी) के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) दलीप सिंह ने बताया, सोमवार शाम को मिलकपुर गांव में यह घटना तब घटी जब बस भिवानी से हांसी जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में मारे गए दोनों व्यक्ति बस से उतर नहीं पाए और आग की लपटों में घिर गए। बाद में उनके जले हुए शव बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

डीएसपी ने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, हमें संदेह है कि उनमें से एक सरकारी कर्मचारी है और दूसरा निजी कर्मचारी। उनके परिजनों का दावा है कि दोनों घर नहीं लौटे व लापता हैं। अभी हम मानकर चल रहे हैं कि ये लोग संभवत: वही हैं। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र में ऑटो एवं टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य, एक मई से सत्यापन अभियान शुरू : मंत्री

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र परिवहन विभाग एक मई से 15 अगस्त तक एक विशेष सत्यापन अभियान चलाएगा ताकि राज्य में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य बनाने के निर्णय को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। परिवहन मंत्री सरनाइक ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस अभियान के तहत मराठी नहीं जानने वाले चालकों के लाइसेंस रद्द नहीं किए जाएंगे, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वालों और अवैध परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत के विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग समावेशी विकास पर आधारित हो : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग समावेशी विकास, मजबूत संस्थानों और व्यापक कौशल विकास पर आधारित होना चाहिए। वित्त मंत्री यहां कारकला तालुक में निट्टे विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित निट्टे विनय हेगड़े स्मृति व्याख्यान के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

विकसित भारत- 2047 के लिए 'विजन' विषय पर बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत की विकास यात्रा केवल प्रमुख आर्थिक संकेतकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि अवसर छोटे कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों और पहली पीढ़ी के सीखने वालों तक पहुंचे। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकास व्यापक और सहभागिता वाला होना चाहिए जहां समाज के प्रत्येक वर्ग का योगदान हो और आर्थिक प्रगति से उसे लाभ मिले। उन्होंने यह बात रेखांकित की कि भारत का जनसांख्यिकी लाभांश तभी आर्थिक मजबूती में तब्दील होगा जब शिक्षा और कौशल विकास में सतत निवेश होगा। उन्होंने कहा कि संस्थानों को उद्योग की उभरती जरूरतों और प्रौद्योगिकीय बदलावों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करना होगा जिससे युवा रोजगार के लायक और उद्यमी बनें।

सीतारमण ने कहा, युवा आजीविकाओं का निर्माण कर सकें और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर प्रशिक्षण तक सुगम पहुंच और सतत कौशल विकास महत्वपूर्ण है। उन्होंने उभरते उद्योगों के साथ-साथ पारंपरिक क्षेत्रों की भूमिकाओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिल्प, छोटे उपक्रम और क्षेत्र विशेष के कौशलों की वैश्विक बाजारों में जबरदस्त संभावनाएं हैं और प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं बाजार से जुड़ाव के जरिए इन्हें मजबूत किया जाना आवश्यक है। ये क्षेत्र जमीनी स्तर पर रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वित्त मंत्री ने भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति के संदर्भ में कहा कि इस देश को तेजी से एक विश्वसनीय साझीदार और वैश्विक वृद्धि के कारक के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य महज ऊंची वृद्धि हासिल करना नहीं है, बल्कि समान वृद्धि है जो सभी क्षेत्रों में आजीविका में सुधार लाए। क्षमता निर्माण के साथ ही इस बात पर भी जोर होना चाहिए कि विकास का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से निपटने में एक प्रत्यक्ष भूमिका का निर्वहन करना होगा। उन्होंने तटीय कर्नाटक में प्रतिभाओं को निखारने और क्षेत्रीय विकास में संस्थानों के योगदान की सराहना की। निट्टे विश्वविद्यालय के प्रो-कुलाधिपति डॉक्टर एम. शांताराम शेट्टी ने कहा कि शिक्षाविद निट्टे विनय हेगड़े की विरासत को सम्मान देने और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर संवाद के लिए एक मंच का निर्माण करने के उद्देश्य से यह व्याख्यान श्रृंखला शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि मानव पूंजी निर्माण, नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने और इस देश के दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों को सहयोग देने में उच्च शिक्षण संस्थानों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

राहुल के निर्देशानुसार सत्ता त्यागने या पद पर बने रहने को तैयार हैं सिद्दरामय्या : राजन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के पुन: जोर पकड़ने के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के एन राजन्ना ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पार्टी नेता राहुल गांधी के निर्देशों के अनुसार सत्ता त्यागने या शीर्ष पद पर बने रहने- दोनों के लिए तैयार हैं। सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले राजन्ना ने पार्टी नेतृत्व में बदलाव के विचार का भी समर्थन किया। इसे उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार की ओर संकेत माना जा रहा है। शिवकुमार के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।

पूर्व मंत्री राजन्ना ने कांग्रेस आलाकमान से नेतृत्व के मुद्दे पर भ्रम दूर करने का आग्रह किया और साथ ही सचेत किया कि अनिश्चितता जारी रहना पार्टी और शासन, दोनों के लिए नुकसानदेह होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि मुख्यमंत्री बदला जाता है तो कर्नाटक में दलित मुख्यमंत्री होना चाहिए। राजन्ना ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के नतीजों तथा कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के परिणाम चार मई को घोषित होने के बाद नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल पर संभावित फैसले को लेकर पार्टी और राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं।

राजन्ना ने मुख्यमंत्री की अपने करीबी कैबिनेट सहयोगियों और विधायकों के साथ हाल में हुई चर्चा के बारे में पूछे जाने पर कहा, मुख्यमंत्री ने खुले मन से कहा है कि वह आलाकमान और राहुल गांधी के निर्देशों का पालन करेंगे तथा सभी को सहयोग करना चाहिए। सभी मंत्रियों ने इस पर सहमति जताई है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, किसी भी नेता के लिए सत्ता स्थायी नहीं होती। जो सत्ता खो देते हैं, वे उसे पाने की कोशिश करेंगे और जिन्हें सत्ता मिलती है, वे उसे बनाए रखने की कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री की सोच यह है कि वह राहुल गांधी के निर्देशों के अनुसार सत्ता का त्याग करने या सत्ता में बने रहने- दोनों के लिए तैयार हैं। वह राहुल गांधी के फैसले का पालन करेंगे।

राजन्ना ने सिद्दरामय्या के बाद कोई दलित मुख्यमंत्री बनाए जाने संबंधी उनके पुराने बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसमें गलत क्या है? मैं अपने इस बयान पर कायम हूं कि दलित मुख्यमंत्री होना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी अध्यक्ष भी बदला जाना चाहिए, पूर्व मंत्री ने कहा कि सब कुछ बदलना होगा। उन्होंने कहा, अगर मंत्रियों को बदला जाना है, तो पार्टी अध्यक्ष क्यों नहीं? सब कुछ आलाकमान तय करेगा। उन्होंने कहा, मैं यह भी आग्रह करता हूं कि आलाकमान को भ्रम को दूर करना चाहिए। जब तक भ्रम बना रहेगा, यह पार्टी और शासन के लिए नुकसानदेह होगा।

ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के आम चुनावों के संबंध में चुनाव आयोग तैयार

बेंगलूरु। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार, ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 5 नगर निगमों को 30 जून, 2026 तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी होगी और राज्य चुनाव आयोग ने इस संबंध में सभी तैयारियां कर ली हैं। आयोग के निर्देशों के अनुसार, कुल 369 वार्डों के लिए अंतिम मतदाता सूची 18 अप्रैल को प्रकाशित की जा चुकी है। चूंकि राज्य में 16 अप्रैल से 15 मई तक होने वाली जनगणना, मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) और शैक्षणिक परीक्षाओं के कार्यों के लिए कर्मचारियों को तैनात किया जा चुका है, इसलिए सरकार के मुख्य सचिव ने आयोग से चुनाव की समय सीमा 30 सितम्बर तक बढ़ाने का अनुरोध किया है।

आयोग ने सरकार के इस अनुरोध को सर्वोच्च न्यायालय के संज्ञान में लाया है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि न्यायालय में प्रस्तुत हलफनामे में आयोग ने चुनाव कराने के लिए अधिक समय या चुनाव स्थगित करने का कोई अनुरोध नहीं किया है। सरकार से चुनाव के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक धनराशि तत्काल जारी करने का अनुरोध किया गया है। कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग के सचिव ने एक बयान में कहा कि आयोग माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार निर्धारित समय के भीतर चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'ग्लोबल वॉर्मिंग' से निपटने के लिए कर्नाटक ने जलवायु कार्य योजना लागू की : खांड्रे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खांड्रे ने मंगलवार को बताया कि 'ग्लोबल वार्मिंग' और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए 'जलवायु परिवर्तन पर राज्य की कार्य योजना' तैयार की गई है और इसके उचित कार्यान्वयन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। पृथ्वी की सतह और वातावरण के औसत तापमान में होने वाली लगातार वृद्धि को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं।

कर्नाटक मीडिया अकादमी द्वारा बेंगलूरु पर भीषण गर्मी और उसके प्रभाव को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के बाद खांड्रे ने पत्रकारों से कहा कि पर्यावरण विभाग के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण प्रबंधन और नीति अनुसंधान संस्थान (ईएमपीआरआई) ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्य योजना को लागू करने के लिए कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर कर्नाटक राज्य की कार्य योजना के कार्यान्वयन और प्रगति के संबंध में जिला पंचायत कार्यालयों के सहयोग से जिला अधिकारियों और अन्य संबंधित संस्थानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि कर्नाटक के सभी 31 जिलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, जलवायु अनुकूलन के संदर्भ में खांड्रे ने कहा कि सर्वोत्तम प्रथाओं की जानकारी साझा करने के लिए अप्रैल 2025 में एक विशेष रेडियो कार्यक्रम हवामाना मित्र (मौसम मित्र) शुरू किया गया था और आकाशवाणी पर अब तक 24 कार्यक्रम प्रसारित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य जन जागरूकता पैदा करना है।

खांड्रे ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक स्तर पर 'ग्लोबल वार्मिंग' और जलवायु परिवर्तन के कारण आज मौसम भी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, इस बात को ध्यान में रखते हुए वन मंत्री बनने के बाद से मैं हरित आवरण बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हूं, खासकर बेंगलूरु शहर में।

उन्होंने बताया कि जारकाबंदे क्षेत्र में 444 एकड़ भूमि भारतीय वायु सेना को आवंटित की गई थी। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत, उचित प्रक्रिया के बिना वन भूमि का हस्तांतरण नहीं किया जा सकता। इसलिए, 2017 में तत्कालीन उपायुक्त ने भूमि आवंटन रद्द कर दिया था। उन्होंने कहा, अब इस वन भूमि को पुन: प्राप्त करने और हरित क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

राज्यपरिवहन ने बिना टिकट वाले यात्रियों से 8 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ अपने निरीक्षण कार्य को तेज कर दिया है और अकेले मार्च 2026 के महीने में लाखों रुपये का जुर्माना वसूला है। मार्च माह में, निगम की निरीक्षण टीमों ने राज्य और पड़ोसी राज्यों में चलने वाले कुल 42,395 वाहनों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण अवधि के दौरान कुल 4,260 मामले पकड़े गए। बिना टिकट यात्रा करने वाले 4,265 यात्रियों से जुर्माने के रूप में कुल 8,16,375 रुपये वसूले गए।

जांचकर्ताओं ने निगम के राजस्व से हो रही 1,21,633 रुपये की हेराफेरी का पता लगाने में सफलता हासिल की है। निगम के मुख्य यातायात प्रबंधक ने बताया कि कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले दोषी कर्मचारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। केएसआरटीसी ने एक बयान में कहा कि जनता को बस में यात्रा करते समय वैध टिकट या पास प्राप्त करना अनिवार्य रूप से निगम के साथ सहयोग करना चाहिए।

कर्नाटक लोक भवन में कामधेनु लोक गौशाला का उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ मिलकर बेंगलूरु के लोक भवन में नवनिर्मित और पुनर्निर्मित स्वागत केंद्र और कामधेनु लोक गौशाला का उद्घाटन किया। पशुओं की उचित देखभाल, आश्रय और प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए इस सुविधा का विकास किया गया है, जो पशु कल्याण और पशुधन से जुड़े पारंपरिक मूल्यों के महत्व को दर्शाता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, विधायक और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार पोन्नन्ना, लोक निर्माण विभाग के सचिव सत्यनारायण और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बेंगलूरु में किराए के फ्लैट में महिला का सड़ा-गला शव मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक किराए के फ्लैट में 34 वर्षीय महिला का शव सड़ी-गली हालत में मिला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान झारखंड के धनबाद की निवासी पूजा दत्ता के रूप में हुई है। वह यहां एक निजी कंपनी में कार्यरत थीं। पुलिस ने बताया कि अदुगोडी में हुई यह घटना सोमवार को तब सामने आई जब पड़ोसियों ने उसके फ्लैट से आ रही दुर्गंध के बारे में पुलिस को सूचित किया।

पुलिस ने बताया कि एक टीम मौके पर पहुंची, दरवाजा तोड़ा तो दत्ता का नग्न और खून से लथपथ शव मिला। उन्होंने कहा कि मौत दो से तीन दिन पहले होने की आशंका है। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ, हालांकि घर के अंदर फटे हुए कागज बिखरे हुए मिले, जिससे यह संदेह पैदा हुआ कि उसने अंदर से दरवाजा बंद करने के बाद आत्महत्या कर ली होगी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृत्यु के सटीक कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या थी या हत्या। उन्होंने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मकान मालकिन के अनुसार, दत्ता पिछले तीन वर्षों से किराए के फ्लैट में रह रही थीं और उन्हें आखिरी बार 23 अप्रैल को किराने का सामान खरीदने के लिए बाहर जाते हुए देखा गया था।

नेतृत्व के मुद्दे पर आलाकमान जल्द ही प्रतिक्रिया देने वाला है : परमेश्वर

कलबुर्गी। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज होने के बीच राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस आलकमान जल्द ही इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने वाला है। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान द्वारा लिया गया निर्णय सभी को स्वीकार्य होगा। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमारा पार्टी आलाकमान सभी मामलों पर जल्द से जल्द प्रतिक्रिया देगा। हमारी ओर से कोई भ्रम नहीं है।

जब संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि क्या मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को पार्टी आलाकमान से जन्मदिन का उपहार मिलेगा, तो परमेश्वर ने कहा कि आलाकमान द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय पार्टी के सभी सदस्यों द्वारा स्वीकार किया जाएगा और सभी उस निर्णय का समर्थन करेंगे। दलित मुख्यमंत्री की बार-बार उठाई जा रही मांगों के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि लोग अपने स्नेह और विश्वास के आधार पर राय व्यक्त करते हैं।

स्वागत

बेंगलूरु में लोकभवन कर्नाटक में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। राज्यपाल गहलोत ने उनका स्वागत किया।

उमर खालिद से जुड़े कार्यक्रम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपी उमर खालिद से संबंधित कार्यक्रम को रद्द करने की मांग को लेकर बेंगलूरु के पूर्व महापौर एम. गौतम कुमार के नेतृत्व में यहां बीआईसी के बाहर विरोध-प्रदर्शन कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने मंगलवार को एहतियातन हिरासत में ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय केंद्र (बीआईसी) में मंगलवार को प्रस्तावित कार्यक्रम में 'उमर खालिद और उसकी दुनिया' नामक पुस्तक के संपादक पुस्तक के कुछ अंश पढ़ सकते हैं, जिसके बाद एक परिचर्चा आयोजित की जाएगी, जिसमें कुछ इतिहासकारों और बुद्धिजीवियों के हिस्सा लेने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम रद्द करने की मांग करते हुए नारे लगाए और पुलिस की ओर से लगाए गए बैरिकेड तोड़ते हुए आयोजन स्थल में प्रवेश करने का प्रयास किया। सूत्रों ने बताया कि मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया। सोमवार को भाजपा की कर्नाटक इकाई के नेताओं ने बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर खालिद से जुड़े कार्यक्रम को रद्द करने का अनुरोध किया था। पार्टी नेताओं ने कहा था कि खालिद गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है और ऐसे व्यक्ति का महिमामंडन करना आपराधिक तत्वों को प्रोत्साहित करने के बराबर होगा। कर्नाटक भाजपा ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि जहां अदालतें अब भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही हैं, वहीं कांग्रेस समर्थित तंत्र उन व्यक्तियों का महिमामंडन करने में व्यस्त है, जिनका मकसद भारत को विभाजित करना है। पार्टी ने कहा, बेंगलूरु को ऐसे तत्वों के महिमामंडन का केंद्र क्यों बनाया जा रहा है? क्या सिद्धरमैया सरकार इसी सांस्कृतिक योगदान' को बढ़ावा देना चाहती है? हमारा शहर नवप्रवर्तकों और देशभक्तों की भूमि है, न कि 'टुकड़े-टुकड़े' गैंग के विमर्श को बढ़ावा देने का अड्डा। खालिद 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में फिलहाल जेल में है। शीर्ष अदालत ने 20 अप्रैल को खालिद की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि दंगों की साजिश में उसके खिलाफ लगे आरोपों पर विश्वास करने के लिए पर्याप्त आधार हैं। फरवरी 2020 में संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे भड़क उठे थे, जिसमें 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे।

देह व्यापार के आरोप में छह विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सार्वजनिक स्थान पर कथित रूप से देह व्यापार के लिए पुरुषों को लुभाने के आरोप में छह विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां 24 अप्रैल को केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) के महिला संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा की गईं। पुलिस ने जारी बयान में महिलाओं की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ विदेशी महिलाएं कोरमंगला थाना क्षेत्र के अंतर्गत मडिवाला चेक पोस्ट के पास बस स्टॉप के फुटपाथ पर राहगीरों को देह व्यापार के लिए लुभा रही हैं। सूचना के आधार पर सीसीबी के महिला संरक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इसके बाद अधिकारियों ने छापा मारकर सभी छह महिलाओं को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान वे अपने पासपोर्ट और वीजा के संबंध में वैध और संतोषजनक जानकारी नहीं दे सकीं।

जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बना 'वॉटर पॉजिटिव', 'ब्यूरो वेरिटास' ने दी मान्यता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 'वॉटर पॉजिटिव' का दर्जा हासिल कर लिया है। 'वॉटर पॉजिटिव' से आशय यह है कि हवाई अड्डा जितना पानी उपयोग करता है, उससे अधिक पानी बचाता है।

जयपुर हवाई अड्डा प्रबंधन ने यह जानकारी दी। जयपुर हवाई अड्डा प्रबंधन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह मान्यता वैश्विक परामर्श कंपनी 'ब्यूरो वेरिटास' द्वारा व्यापक मूल्यांकन के बाद दी गई है। जयपुर हवाई अड्डा प्रबंधन ने दावा किया है कि यह उपलब्धि राजस्थान में पहली बार किसी हवाई अड्डे को मिली है। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के चुनिंदा हवाई अड्डों में शामिल हो गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान जयपुर हवाई अड्डा ने 1,03,387 किलो लीटर पानी उपयोग किया, जबकि 1,37,085 किलो लीटर पानी पुनर्भरण और पुनर्चक्रण के माध्यम से बचाया। जयपुर हवाई अड्डे ने वर्षा जल संचयन के लिए 18 गहरे भू-जल पुनर्भरण गड्ढे स्थापित किए हैं। जयपुर हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने कहा, यह उपलब्धि जल प्रबंधन के तीन स्तंभों पर आधारित है।

क्षेत्रीय संघर्ष में बाघ टी-2402 की मौत, पहाड़ी पर मिला शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रणथम्भौर बाघ परियोजना से जुड़ी एक और दुखद खबर आई है। यहां फलोदी रेंज के हिंदवार क्षेत्र में मंगलवार को बाघ टी-2402 का शव घने वन क्षेत्र में पहाड़ी पर पाया गया।

वन विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि यह दो नर बाघों के बीच क्षेत्रीय संघर्ष का परिणाम हो सकता है। रणथम्भौर के उपवन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि बाघ टी-2402 की उम्र करीब साढ़े चार साल है। यह बाघिन टी-99 की संतान है। उन्होंने बताया कि बाघ की गतिविधियों पर पहले से निगरानी रखी जा रही थी, क्योंकि इसके क्षेत्र पर दूसरे वयस्क नर बाघ द्वारा कब्जे के संकेत मिल रहे थे।

सिंह ने कहा, इन संकेतों के आधार पर लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा था। प्रारंभिक तौर पर मामला दो नर बाघों के बीच क्षेत्रीय संघर्ष का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और नमूने आगे की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।

राजस्थान भीषण लू की चपेट में, जैसलमेर तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। राजस्थान के जैसलमेर में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, जहां तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो अप्रैल महीने का नया रिकॉर्ड है। यह 18 अप्रैल, 2025 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है, और हाल के वर्षों में भीषण गर्मी में से एक है। पिछले 24 घंटों में, राज्य के सभी प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, भरतपुर, धौलपुर, करौली और जयपुर के कुछ हिस्सों में भीषण लू की स्थिति दर्ज की गई। अजमेर में अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री रहा, हल्की हवाओं के बावजूद राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। कोटा में रविवार को पारा 45.7 डिग्री तक पहुंच गया, जिसने आठ साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अभेदा जैविक उद्यान के अधिकारियों ने जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए पानी के तालाबों सहित विशेष व्यवस्था की है।

दोपहर भर भीषण गर्मी झेलने के बाद, कई जिलों में मौसम में बदलाव आया। गंगानगर, बीकानेर और हनुमानगढ़ सहित कई क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश हुई, जबकि बीकानेर और गंगानगर के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की भी खबर मिली। सोमवार शाम तक, चूरू, झुंझुनू, सीकर, नागौर, अलवर और आसपास के इलाकों में धूल भरी हवाएं और हल्की बारिश शुरू हो गई, जिससे कुछ समय के लिए राहत मिली। मौसम में यह बदलाव सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुआ, जिससे राजस्थान भर में भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे निवासियों को काफी राहत मिली। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने 11 जिलों में आंधी-तूफान और बारिश के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। हालांकि, दो जिलों में लू चलने की आशंका है, जो राज्य भर में मिश्रित मौसम का संकेत दे रही है। शाम को हल्की बारिश के बावजूद जयपुर में भीषण गर्मी बनी रही।

अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औसत से 6.5 डिग्री अधिक है।सीकर में दिन भर 42 डिग्री के गर्म तापमान के बाद शाम के समय मौसम में बदलाव आया और तेज हवाएं और हल्की बारिश हुई। उदयपुर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा, जहां लगातार कई दिनों तक अधिकतम तापमान लगभग 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए, नगरपालिका अधिकारियों ने शहर की सड़कों पर पानी का छिड़काव किया। स्थानीय गर्मी की स्थिति के आधार पर स्कूल की छुट्टियां घोषित करने के लिए जिला कलेक्टरों को अधिकृत किया गया है। इससे पहले, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूल के समय में बदलाव की अनुमति दी थी। राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है, और मौसम में होने वाले अस्थायी बदलावों से भी अल्पकालिक राहत मिल पा रही है।

जयपुर में हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए अस्पताल अलर्ट मोड पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी में चिलचिलाती गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए चिकित्सा शिक्षा निदेशालय अलर्ट मोड पर आ गया है। निदेशालय ने सभी अस्पतालों के लिए गर्मी से बचाव और लू से निपटने के लिये परामर्श जारी किया है। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के आयुक्त नरेश गोयल ने राज्य में लूतापघात (हीट वेव) के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रशासन को चिकित्सीय सुविधायें सुचारू रखने और आम नागरिकों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

परामर्श के तहत सभी चिकित्सा अधीक्षकों और चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे चिकित्सक, नर्सिंगकर्मी, पैरामेडिकलकर्मी और अन्य संबंधित कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर मुख्यालय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें। सभी अस्पतालों में लूतापघात और हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए सामान्य एवं गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) बेड्स आरक्षित रखने, आवश्यक दवाइयों और आइस पैक्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा वार्डों और आईसीयू में कूलर और एसी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

सवाई मानसिंह अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा ने बताया कि अस्पताल में रोजाना 8,500 से 10,000 मरीज उपचार के लिए आते हैं और 400 से 500 मरीज भर्ती रहते हैं। ऐसे में मरीजों और उनके साथ आने वालों के लिए गर्मी से राहत देने के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। शर्मा ने बताया कि पंजीकरण काउंटर और धन्वंतरि भवन के बीच ग्रीन नेट लगाने का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू में वातानुकूल शुरू कर दिए गए हैं तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर शाम के समय पानी का छिड़काव किया जा रहा है। अतिरिक्त अधीक्षक ने बताया कि अस्पताल में दक्षिण विंग द्वितीय में हीट स्ट्रोक के मरीजों के इलाज के लिए अलग से वार्ड बनाया दिया गया है और आईसीयू में पांच बैड अलग से सुरक्षित रखे गए हैं।

उन्होंने कहा कि अभी तक वार्ड में हीट स्ट्रोक का कोई मरीज नहीं आया है, लेकिन आने वाले दिनों को देखते हुए तैयारी पूरी रखी गई है। जेके लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ आर एन सेहरा ने बताया कि अस्पताल में और हर वार्ड में कूलिंग सिस्टम शुरू कर दिया गया है। मरीजों के साथ आने वालों के लिए पानी की विशेष व्यवस्था की गई है। अस्पताल में रोजाना लगभग 1,300 बच्चे इलाज के लिए आते हैं और 200250 बच्चे भर्ती रहते हैं। ऐसे में गर्मी से बचाव के लिए हर संभव तैयारी कर ली है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने नागरिकों को सलाह दी कि लू से बचने के लिए तरल पदार्थ लें, खाने-पीने का ध्यान रखें और खासतौर पर बुजुर्ग, बच्चे तथा गर्भवती महिलाएं सावधानी बरतें। उन्होंने लोगों से सीधे धूप में जाने से बचने, बाहर जाते समय सिर ढकने या छाते का उपयोग करने, पानी पीकर बाहर निकलने और अपने साथ पानी की बोतल रखने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि जयपुर हवाई अड्डे पर 100 प्रतिशत अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण कर उसे बागवानी और अन्य कार्य में उपयोग किया गया है। प्रवक्ता ने कहा, ताजे पानी की खपत कम करने के लिए सेंसर-आधारित टैप सिस्टम लगाए गए हैं।

निजी अस्पताल में महिला की मौत पर हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। शहर के पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान एक महिला की मौत के बाद माहौल गरमा गया है। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर चिकित्सकीय लापरवाही और पैसे के लालच में जबरन ऑपरेशन करने का गंभीर आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर धरना शुरू कर दिया है।

स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए मौके पर आरएसी (ठ-उ) के जवान तैनात किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बनाड़ क्षेत्र के देवलिया गांव निवासी 45 वर्षीय कंचन कंवर को 25 अप्रैल को गर्भाशय में गांठ की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मृतका के भतीजे गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी चाची पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग से ग्रसित थीं, जिसकी जानकारी डॉक्टरों को दी गई थी। परिजनों का दावा है कि जोखिम की स्थिति होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने ऑपरेशन सफल होने का भरोसा दिया और भारी रकम जमा कराने के बाद सर्जरी कर दी। प्रदर्शन में शामिल समाज के प्रतिनिधि तेजपाल सिंह ने आरोप लगाया कि पूर्व की कुछ जांच रिपोर्ट में ऑपरेशन न करने की सलाह दी गई थी। परिजनों का कहना है कि सोमवार रात करीब 8 बजे महिला की मौत हो गई, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने शव सौंपने के बदले भी रुपयों की मांग की। सोमवार देर रात से शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा।

परिजनों ने अस्पताल के दोषी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल अस्पताल परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

जन-शिकायतों के निस्तारण में 'राजस्थान संपर्क' मॉडल को बताया देश में सर्वश्रेष्ठ : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में सुशासन और अपराधों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास तथा पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा द्वारा मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित 'राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केंद्र' का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि एक प्रकरण को सुनकर केस-स्टडी के माध्यम से समाधान प्रक्रिया की गुणवत्ता की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली, शिकायतों की प्रगति एवं निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को बेहतर एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

निरीक्षण के उपरांत मुख्य सचिव ने संदेश पट्ट पर अपने संदेश में लिखा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल की कार्यक्षमता पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे देश की सर्वश्रेष्ठ शिकायत निवारण प्रणाली (India's best Grievance redressal system) के रूप में प्रमाणित किया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के पंजीकरण से लेकर उनके तार्किक निस्तारण तक की यह डिजिटल यात्रा अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श उदाहरण है। वहीं, पुलिस महानिदेशक ने केंद्र में शिकायतों की लाइव सुनवाई का अनुभव लिया। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि, हेल्पलाइन केंद्र का यह भ्रमण एक 'आई-ओपनर' (एूश जशिपेशी) और अत्यंत समृद्ध अनुभव रहा। सार्वजनिक शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में यह प्रणाली मील का पत्थर साबित हो रही है।

निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने जयपुर ग्रामीण के फागी वृत्त के एक प्रकरण में परिवादी हेमराज बुनकर से वार्ता की।

इस प्रकरण में परिवादी द्वारा रेनवाल मांझी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज न करने की शिकायत हेल्पलाइन 181 पर दर्ज कराई गई थी। उक्त शिकायत के क्रम में वृत्ताधिकारी, द्वारा राजस्थान संपर्क में लिखित जवाब में अवगत कराया गया कि उक्त दिनांक को ही परिवाद दर्ज कर लिया गया था तथा इस केस पर अनुसंधान जारी है।

राजीव कुमार शर्मा, पुलिस महानिदेशक ने निरीक्षण के समय संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त होने वाले परिवादों का सही श्रेणीकरण, सटीक सब्जेक्ट रिवीजन एवं उचित लेवल मैपिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हो सके। शर्मा ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि सर्विस डिलीवरी से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता से तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए तथा लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। संपर्क पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में पुलिस विभाग से संबंधित कुल 1,60,292 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 1,52,444 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। यह कुल प्रकरणों का लगभग 95 प्रतिशत है, जो शिकायत निवारण प्रणाली की प्रभावशीलता तथा त्वरित कार्रवाई को दर्शाता है।

गहलोत ने सैनिटरी नैपकिन योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर बालिकाओं व महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने की योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मंगलवार को इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। स्कूलों में निशुल्क वितरित किए जाने वाले सैनिटरी नैपकिन की गुणवत्ता का मुद्दा उठाते हुए गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, हमारी कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की महिलाओं और बच्चियों के 'मेंस्ट्रुअल हाइजीन' (माहवारी संबंधी स्वच्छता) और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए 'उड़ान योजना' जैसी अभिनव पहल की थी। उच्चतम न्यायालय ने भी देशभर के स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश देकर इस दिशा में हमारे 'विजन' की पुष्टि की है।

उन्होंने कहा, लेकिन आज यह देखकर बेहद पीड़ा होती है कि नारी शक्ति को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा की हकीकत क्या है। पहले तो लगभग दो साल तक इस योजना को बंद रखा गया और अब वर्तमान सरकार इस महत्वपूर्ण योजना में भ्रष्टाचार कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, मानकों को ताक पर रखकर बच्चियों को ऐसे घटिया सैनिटरी नैपकिन बांटे जा रहे हैं, जिनसे उन्हें गंभीर संक्रमण का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति और बेटियों के स्वास्थ्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर लापरवाही और भ्रष्टाचार सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। जांच की मांग करते हुए गहलोत ने कहा, सरकार अविलंब इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे और प्रदेश की बच्चियों के लिए उच्च गुणवत्ता के नैपकिन सुनिश्चित करे।

ग्राम रथ अभियान का भव्य शुभारंभ गांव-गांव पहुंचेगी योजनाओं की जानकारी : देवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव गांव तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ मंगलवार को सिरोही जिला कलेक्ट्रेट परिसर से किया गया। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सिरोही जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने ग्राम रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक जगसीराम कोली, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. राजेश गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद अग्रवाल, सीओ मुकेश चैधरी, एसीईओ शैलेन्द्र जोशी, गणपतसिंह, महिपाल चारण सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अभियान संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने बताया कि ग्राम रथ अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं पशुपालकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करना तथा वृह्द स्तर पर प्रचार-प्रसार करना हैं। इन रथों के माध्यम से प्रत्येक पात्र तक योजनाओं की जानकारी पहुचेंगी और अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी पहुचेगा। अभियान के शुभारंभ समारोह में लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई जिसमें राज्य सरकार के द्वारा दो साल में किए गए कार्यों के बारे में बताया गया। अभियान के तहत सिरोही जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों सिरोही शिवगंज, आबू पिंडवाड़ा और रेवदर की ग्राम पंचायतों में ग्राम रथ संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक रथ प्रतिदिन 4 से 5 स्थानों पर पहुंचकर ऑडियो-वीडियो माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा।

ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास सहित 13 विभागों की योजनाओं, उपलब्धियों एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक प्रचार सामग्री भी उपलब्ध करवाई गई है। अभियान के सफल संचालन के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तथा संबंधित उपखंड अधिकारियों को विधानसभा स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिससे अभियान की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सके।

मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने ग्राम विकास रथों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार कृषक, पशुपालकों और ग्रामीण क्षेत्र में विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जिले की 04 विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक गांवों में एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से ग्राम रथ अभियान का आरम्भ मंगलवार को किया गया। इस दौरान डूंगरपुर जिला प्रभारी एवं टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा कृषक, पशुपालकों और ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित योजनाओं के प्रचार प्रचार के लिए विधानसभा क्षेत्र में एलईडी मोबाइल वैन ग्राम रथ अभियान प्रारंभ किया गया है, ये ग्राम रथ जिले के चारों विधानसभा के प्रत्येक ग्राम पंचायत में जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर आमजन को लाभान्वित करेंगे, जिससे आमजन में जागरूकता आएगी तथा यह रथ सायंकालीन जिस स्थान पर रुकेंगे वहां सांस्कृतिक संध्या चौपाल आयोजित की जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग सहित 13 विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ग्राम रथ अभियान के दौरान आमजन को उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को डेनमार्क के राजदूत रासमस एबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान दोनों ने प्रदेश में जल प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं डेयरी के क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर चर्चा की। साथ ही, राज्य में हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए सतत कृषि एवं सर्कुलर इकोनॉमी के संबंध में भी वार्ता की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी-पुणे और अयोध्या-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इनमें वाराणसी से पुणे (हडपसर) और अयोध्या से मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) के बीच ट्रेन शामिल हैं। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह कदम धार्मिक पर्यटन और आर्थिक गतिशीलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

वाराणसी और अयोध्या प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र हैं जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। मुंबई और पुणे जैसे महानगरों से बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आजीविका को सहारा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा, बनारस-हडपसर सेवा से काशी विश्वनाथ धाम तक पहुंच आसान होगी, जबकि अयोध्या-मुंबई सेवा से श्री राम मंदिर तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इन ट्रेनों से दैनिक यात्रियों, प्रवासी श्रमिकों और तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। उन्हें सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस: पहली यात्रा बनारस से शाम को शुरू होगी और अगले दिन देर रात हडपसर पहुंचेगी। करीब 30 घंटे की यात्रा में यह ट्रेन 18 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, कोपरगांव, अहिल्यानगर और दौंड शामिल हैं। अयोध्या-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस: पहली यात्रा शाम को अयोध्या कैंट से शुरू होकर अगले दिन देर शाम मुंबई एलटीटी पहुंचेगी। लगभग 28 घंटे की यात्रा में यह 12 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़, प्रयागराज जंक्शन, मानिकपुर, सतना, जबलपुर, इटारसी, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड, कल्याण और ठाणे शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पहली यात्रा के बाद जल्द ही दोनों ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होगा। अमृत भारत ट्रेन को आम आदमी के लिए डिजाइन किया गया है। ये ट्रेन आराम और सुविधाजनक होने के साथ किफायती भी हैं।

तमाम विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्पों को सिद्धि में बदला : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि तमाम अवरोधों और विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री का संकल्पों को सिद्धि में बदलने का रिकॉर्ड रहा है।

शिव की नगरी काशी में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 'जन-आक्रोश महिला सम्मेलन' को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहलें सिर्फ कल्याणकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि देशभर में महिला-नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा दे रही हैं।

नवीन ने तीन तलाक कानून का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मजबूत इरादों ने उन्हें देश की नारी शक्ति का आशीर्वाद दिलाया। उन्होंने कहा कि मां गंगा सदियों से अपने ममत्व और निर्मल जल से सींचती रही हैं, उसी तरह माताओं-बहनों ने अपनी ममता से मोदी जी पर आशीर्वाद न्योछावर किया है। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ने कहा, जब भी आपने देश के लिए कोई प्रण लिया है, आपने उस 'संकल्प' को 'सिद्धि' में बदला है।''

महिला आरक्षण विधेयक की राह में आई बाधाओं पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग तकनीकी बातों से प्रगति रोकने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन मोदी ने इसे मिशन बना लिया है तो यह पूरा होकर रहेगा।

वाराणसी को शाश्वत संस्कृति की चेतना बताते हुए उन्होंने कहा, काशी सिर्फ शहर नहीं है; यह ज्ञान, शक्ति और भक्ति के संगम का दर्शन कराती है। उन्होंने यहां की महिलाओं के संघर्ष, मेहनत और आंतरिक शक्ति की सराहना की।

नवीन ने पिछले एक दशक में महिलाओं के जीवन में आए बदलाव का श्रेय मोदी को दिया। स्वच्छ भारत और उज्वला योजना को गरिमा के स्तंभ बताया।

नवीन ने कहा, आज महिलाएं सिर्फ समाज का हिस्सा नहीं, निर्णायक नेतृत्व दे रही हैं। खेती से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक हर क्षेत्र में आगे हैं।

उन्होंने कहा, गणतंत्र दिवस परेड में हमारी माताएं-बहनें सेना और अर्धसैनिक बलों का नेतृत्व कर रही हैं। आपने उन्हें सिर्फ सशक्त नहीं किया, नेतृत्व भी सौंपा है। उन्होंने मोदी की एक प्रमुख योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' को बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम बताया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री योगी के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं के साथ काशी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में विधिवत दर्शन-पूजन किया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने 'एक्स' पर पोस्ट करके कहा, अविनाशी काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ जी के गर्भगृह में विधिवत दर्शन-पूजन कर महादेव का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। देवाधिदेव महादेव के चरणों में राष्ट्र की निरंतर प्रगति, जनकल्याण और प्रत्येक नागरिक की सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। हर हर महादेव।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से लिखा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ आज शिवनगरी काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों व प्रदेशवासियों का कल्याण करें, यही प्रार्थना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, अविनाशी नगरी काशी स्थित श्री विश्वनाथ धाम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ बाबा विश्वनाथ के ज्योतिर्लिंग का पूजन-अर्चन किया। चौधरी ने कहा, इस दौरान मा. उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बाबा से यही प्रार्थना है कि वे चराचर जगत का कल्याण करें और राष्ट्र की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करें, हर-हर महादेव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मंगलवार 28 अप्रैल से उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री इस अवसर पर मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र में एक सभा को भी संबोधित करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत उप्र के सभी प्रमुख नेता काशी पहुंचे हैं।

मुजफ्फरनगर में किसान हत्याकांड में एक महिला और उसके तीन बेटों समेत चार को फांसी की सजा

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को करीब सात वर्ष पूर्व एक व्यक्ति की हत्या के आरोपी एक महिला और उसके तीन बेटों को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई और अर्थदंड भी लगाया। अभियोजन पक्ष ने यह जानकारी दी।

शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार ने बताया कि जिले के सनसनीखेज शेखर हत्याकांड में त्वरित अदालत ने आरोपी महिला मुकेश (60) और उसके तीन बेटों- प्रदीप (38), संदीप (36) और सोनू (30) - को फांसी की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने फैसला सुनाते हुए कहा कि चारों अभियुक्तों को मृत्यु होने तक फांसी पर लटकाया जाये। अदालत ने इसे 'विरल से विरलतम' मामला मानते हुए मृत्युदंड दिया। हालांकि, यह फैसला इलाहाबाद उच्च न्यायालय की पुष्टि के अधीन रहेगा। अदालत ने चारों दोषियों पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। आदेश दिया गया कि जुर्माने की पूरी राशि मृतक शेखर की मां वादिनी राजबाला को दी जाए। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि 17 सितंबर 2019 को भोराकलां थाना क्षेत्र के खेड़ी सूडियान गांव में शेखर की हत्या कर दी गई थी। मृतक की मां राजबाला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

भाजपा ने कांग्रेस पर उमर खालिद का 'समर्थन' करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर आरोप लगाया कि वह नागरिकों की आपत्ति के बावजूद उमर खालिद से जुड़े कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति देकर एक राष्ट्र-विरोधी तत्व का खुलेआम समर्थन और महिमामंडन'' कर रही है।

भाजपा ने कहा कि खालिद को फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में विभिन्न अदालतों से कोई राहत नहीं मिली है और उस पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए हैं। सोमवार को भाजपा की कर्नाटक इकाई ने बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह को पत्र लिखकर मंगलवार को होने वाले खालिद से जुड़े कार्यक्रम को रद्द करने का अनुरोध किया था। पार्टी ने कहा था कि खालिद गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है और ऐसे व्यक्ति का महिमामंडन करना आपराधिक तत्वों को प्रोत्साहित करने के बराबर होगा।

सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम में 'उमर खालिद और उसकी दुनिया' के संपादक पुस्तक के कुछ अंश पढ़ सकते हैं, जिसके बाद एक चर्चा आयोजित की जाएगी, जिसमें कुछ इतिहासकारों और बुद्धिजीवियों के हिस्सा लेने की संभावना है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर जारी एक वीडियो पोस्ट में दावा किया कि कार्यक्रम को लेकर आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद स्थानीय पुलिस और अधिकारियों ने इसके आयोजन की अनुमति दे दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम में 4,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम राज्य की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंगलवार को 4,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनाएं अवसंरचना, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है।

प्रमुख परियोजनाओं में, मोदी ने नामची जिले के यांगंग में 100 बिस्तर वाले आयुर्वेद अस्पताल की आधारशिला रखी और एनआईटी देवराली में 30 बिस्तर वाले एकीकृत सोवा रिग्पा अस्पताल का उद्घाटन किया, जो हिमालयी राज्य में पारंपरिक और एकीकृत चिकित्सा प्रणालियों तक पहुंच को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने यांगंग में सिक्किम विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर, चाकुंग में नेताजी सुभाष चंद्र बोस उत्कृष्टता विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक, गंगटोक के सोचेयगांग में हेलेन लेपचा मेडिकल कॉलेज और ग्यालशिंग जिले में डेंटम प्रोफेशनल कॉलेज का भी उद्घाटन किया। उन्होंने ही ग्याथांग में एक आदर्श आवासीय विद्यालय, मंगन जिले के मंगशिला में एक महाविद्यालय और नामची के बूमटार गुम्पा में एक मठवासी छात्रावास-सह-कक्षा का भी अनावरण किया।

प्रधानमंत्री ने सिक्किम के 160 विद्यालयों में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शैक्षिक अवसंरचना परियोजनाओं की भी शुरुआत की।

सिक्किम में संपर्क को बेहतर बनाने के लिए मोदी ने नामची और गंगटोक जिलों को जोड़ने वाले सिरवानी और लोअर समदोंग में तीस्ता नदी पर 'डबल-लेन स्टील आर्क' पुलों की आधारशिला रखी।

बलरामपुर में शादी समारोह में मामूली विवाद पर युवक की पीट-पीटकर हत्या, मामला दर्ज

बलरामपुर (उप्र)/भाषा। बलरामपुर जिले के तुलसीपुर थाना क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे एक युवक की मामूली विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने 16 नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, तुलसीपुर थाना क्षेत्र के चमरबोझिया गांव में सोमवार रात एक बारात आई थी। बारात में नृत्य कार्यक्रम के दौरान गांव निवासी कमलेश चौहान (22) का कुछ युवकों से नोट लुटाने को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने के बाद कमलेश घर लौट रहा था, तभी रास्ते में युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल कमलेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने मंगलवार को बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना में 16 नामजद और पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ने कहा कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह के काम से प्रभावित होकर भाजपा में आई : स्वाति मालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का उनका फैसला स्वैच्छिक था, क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के काम से बहुत प्रभावित हैं।

मालीवाल और 'आप' नेतृत्व के बीच मतभेद 2024 में उभरे थे। वह उन सात राज्यसभा सदस्यों में से एक हैं, जिन्होंने हाल में 'आप' से अलग होने और भाजपा में अपने गुट के विलय की घोषणा की थी। मालीवाल मंगलवार को दिल्ली भाजपा के कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्हें प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद योगेंद्र चंदोलिया और प्रदेश महासचिव विष्णु मित्तल की मौजूदगी में पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल किया गया।

मालीवाल ने संवाददाताओं से कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की ओर से देश के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों से बहुत प्रभावित हूं। उनसे प्रेरणा लेकर मैंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। मालीवाल ने कहा कि दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में काम करते हुए उन्हें भाजपा से भरपूर समर्थन मिला और वह किसी मजबूरी के चलते पार्टी में शामिल नहीं हुईं। उन्होंने कहा, इस पार्टी में शामिल होना मेरी मजबूरी नहीं थी, लेकिन मैं यहां हो रहे सभी कार्यों को बड़ी दिलचस्पी से देख रही थी... मैं ईश्वर की और पूरे भाजपा नेतृत्व की आभारी हूं। मैं दिल्ली के लिए और भी अधिक ताकत और समर्थन के साथ काम करूंगी। 'आप' पर निशाना साधते हुए मालीवाल ने आरोप लगाया कि लगभग दो कार्यकाल तक दिल्ली सरकार का नेतृत्व करने वाले पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को लूटा और राष्ट्रीय राजधानी के बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर दिया।

निर्वाचन आयोग ने एनआईए से कहा: बंगाल में देसी बमों का उपयोग रोका जाए

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि शरारती तत्व मतदान में बाधा डालने और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए बमों का इस्तेमाल न कर पाएं। आयोग के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह निर्देश चुनावी राज्य में देसी बमों की बरामदगी और एक हल्के विस्फोट की रिपोर्ट के बाद आया है। राज्य में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था, जबकि दूसरे एवं अंतिम चरण का मतदान बुधवार को होगा।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि आयोग पश्चिम बंगाल में मतदान के दिन या चुनाव के बाद की हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहा है।

अदालत ने बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपने में देरी को लेकर बंगाल सरकार को फटकारा

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि सौंपने के अपने आदेश का पालन नहीं करने पर राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि 127 किलोमीटर हिस्से में से केवल आठ किलोमीटर का खंड ही अब तक सीमा सुरक्षा बल को दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल के नेतृत्व वाली एक खंडपीठ ने गत 27 जनवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह 127 किलोमीटर भूमि 31 मार्च तक बीएसएफ को सौंप दे, जिसे पहले ही अधिग्रहित/खरीदा जा चुका है, जिसके लिए राज्य सरकार को केंद्र से मुआवजा प्राप्त हो चुका है।

नौ जिलों में बीएसएफ को मार्च के अंत तक 127 किलोमीटर की पूरी जमीन नहीं सौंपने के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए, उच्च न्यायालय ने 22 अप्रैल को राज्य सरकार को दो सप्ताह के भीतर एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें जनवरी के आदेश के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी हो। अदालत ने राज्य सरकार द्वारा अदालत के आदेशानुसार 127 किलोमीटर के बजाय केवल आठ किलोमीटर जमीन सौंपे जाने पर असंतोष व्यक्त किया।

अदालत ने टिप्पणी की, यह आश्चर्यजनक और चौंकाने वाला है कि राष्ट्रीय महत्व के मामले में, प्रतिवादी राज्य ने हलफनामे पर अपनी रिपोर्ट दाखिल करना उचित नहीं समझा। अदालत ने कहा, ''एक संक्षिप्त और टालमटोल वाली रिपोर्ट दाखिल की गई है जिसमें 27 जनवरी, 2026 को इस अदालत के आदेश के बाद जमीन सौंपने के लिए क्या कार्रवाई की गई है, इसका तिथि और स्थानवार विवरण नहीं दिया गया है। अदालत ने अपने पूर्व आदेश का पालन नहीं करने के लिए रिपोर्ट दाखिल करने वाले अधिकारी पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया, जिसका भुगतान उन्हें स्वयं अपनी जेब से करना होगा।

खंडपीठ में न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन भी शामिल थे। खंडपीठ ने कहा, ''हम इस तरह की टालमटोल वाली और संक्षिप्त रिपोर्ट दाखिल करने की प्रथा की निंदा करते हैं। अदालत ने राज्य सरकार को 27 जनवरी के आदेश के अनुपालन में जिलेवार उठाए गए दैनिक कदमों की जानकारी देते हुए विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। खंड पीठ ने निर्देश दिया कि रिपोर्ट में 27 जनवरी के आदेश के बाद बीएसएफ को भूमि सौंपने के लिए प्रत्येक जिले द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख होना चाहिए। अदालत ने राज्य को दो सप्ताह के भीतर हलफनामे के रूप में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यदि पूरी भूमि नहीं सौंपी जा सकी, तो कम से कम अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के कारणों को बताना अपेक्षित था। उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि रिपोर्ट में इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। अदालत ने यह टिप्पणी लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा (सेवानिवृत्त) द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए की, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए भूमि सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही : मुख्यमंत्री

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में शांति, विकास की पूर्व शर्त है और सरकार संवाद के माध्यम से सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। सिंह ने ये बातें इंफाल पूर्वी जिले के चानम सैंड्रोक में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार राज्य के सभी समुदायों के लिए राजमार्गों पर निर्बाध आवागमन बहाल करने और बातचीत के माध्यम से शांति स्थापित करने का प्रयास कर रही है।'' संघर्षरत मेइती और कुकी समुदायों ने एक-दूसरे को राजमार्गों का उपयोग करने से रोकने के लिए प्रमुख राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया था। मुख्यमंत्री सिंह ने कहा, ''सरकार द्वारा सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों के बीच ट्रोंग्लाओबी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना अचानक घटित हुई, जिसमें दो मासूम बच्चों की जान चली गई।'' सात अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के ट्रोंग्लाओबी में हुए बम हमले में पांच वर्षीय लड़के और उसकी छह माह की बहन की मौत हो गई थी और उनकी मां घायल हो गई थी।

आक्रामक रूख वाले बल्लेबाजों के खिलाफ रक्षात्मक होना नकारात्मकता नहीं है : भुवनेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

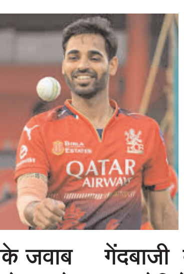

नई दिल्ली/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का मानना है कि टी20 क्रिकेट के मौजूदा दौर में बल्लेबाजों के लगातार आक्रामक रुख के मद्देनज़र गेंदबाजों को पावरप्ले में गेंद स्विंग होने पर भी रणनीतिक और रक्षात्मक सोच के साथ गेंदबाजी करनी चाहिए।

भुवनेश्वर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सोमवार को यहां आईपीएल मुकाबले में पांच रन देकर तीन विकेट झटके। उन्होंने जोश हेजलवुड (12 रन पर चार विकेट) के साथ उछाल और स्विंग वाली कोटला की पिच पर दिल्ली कैपिटल्स की पारी को महज 75 रन पर समेट दिया। आरसीबी ने इसके जवाब में 6.3 ओवर में ही नौ विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। भुवनेश्वर ने जियोहॉटस्टार से कहा, इस प्रारूप में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब बल्लेबाज पावरप्ले में गेंद स्विंग होने पर भी रुकते नहीं हैं। पहले परिस्थितियों का अधिक सम्मान होता था, लेकिन अब उनका रवैया लगातार आक्रामक रहता है। ऐसे में गेंदबाजों के लिए सोच में बदलाव जरूरी है। रक्षात्मक होना नकारात्मक नहीं है, बल्कि योजना के अनुसार गेंदबाजी करना और बल्लेबाजों की कमजोरियों को निशाना बनाना अहम है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे भुवनेश्वर ने कहा कि जब पिच या माहौल से मदद मिलती है तो तेज गेंदबाज स्वाभाविक रूप से अधिक आक्रामक हो जाता है। उन्होंने कहा, ऐसी सपाट पिचें, जहां गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिलती, वहां रणनीति अधिक रक्षात्मक हो जाती है, लेकिन इसका मतलब नकारात्मक होना नहीं है। इसका उद्देश्य रन रोकना और खासकर आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ बाउंड्री से बचना होता है। लेकिन जब हवा में या पिच से थोड़ी मदद मिलती है, तो मानसिकता आक्रामक होकर विकेट लेने पर केंद्रित हो जाती है। उन्होंने कहा, गेंदबाज को पिच से अगर थोड़ी भी मदद मिले, तो उसका इरादा सिर्फ रन रोकने की जगह लगातार आक्रमण करते हुए विकेट लेने के मौके बनाने का होना चाहिए।

सुविचार

मत बैठ ऐ मुसाफिर, अभी चलना बहुत बाकी है, अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन, अभी पूरा आसमान बाकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आदतें सुधारें, देश को स्वच्छ बनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में स्वच्छता की स्थिति पर टिप्पणी कर इस राज्य के निवासियों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। अक्सर सिक्किम की साफ सड़कों और निर्मल हवाओं की चर्चा सोशल मीडिया पर होती है। यहां लोगों ने स्वच्छता का आदर्श स्तर कायम रखा है, जो प्रशंसनीय है। सिक्किम के निवासियों ने दिखा दिया है कि स्वच्छता सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। अगर हम किसी जगह को स्वच्छ और सुंदर बनाना चाहते हैं तो सिक्किम के लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। भारत में कई लोग जब किसी जगह की स्वच्छता और सुंदरता की तारीफ करते हैं तो कहते हैं, 'वह जगह इतनी सुंदर थी ... जैसे फिल्मों में दिखाते हैं ... ऐसा लग ही नहीं रहा था कि हम इंडिया में हैं!' क्या स्वच्छ और सुंदर जगह सिर्फ विदेश में हो सकती है? क्या भारत में किसी जगह को स्वच्छ रख पाना असंभव है? जब कभी स्वच्छता की बात होती है तो कहा जाता है कि 'भारत में इस वजह से कचरे के ढेर लगे हुए हैं, क्योंकि यहां जनसंख्या बहुत बढ़ गई है।' अगर भारत में 140 करोड़ लोग हैं तो सफाई करने के लिए 280 करोड़ हाथ भी हैं। इस तरह तो हमारा देश पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा स्वच्छ होना चाहिए! वास्तव में गंदगी के लिए ज्यादा जनसंख्या को जिम्मेदार ठहरा देना एकपक्षीय दृष्टिकोण है। स्वच्छता को आदत बना दिया जाए तो जनसंख्या बहुत बड़ा वरदान बन सकती है। हमारे आस-पास ऐसे लोग दिख जाएंगे, जो गंदगी फैलाने को अपना अधिकार समझते हैं, जहां उनका मन करता है, वहां थूक देते हैं, फलों-सब्जियों के छिलके बिखेर देते हैं ... उसके बाद शिकायत करते हैं कि देश में सफाई नहीं है। क्या गंदगी फैलाने वाले लोग विदेश से चले आ रहे हैं?

अगर कोई व्यक्ति किसी को स्वच्छता का महत्त्व समझाते हुए गंदगी फैलाने से रोकता है तो उसके साथ हिंसक घटना भी हो सकती है। एक सोसाइटी में रहने वाले कुछ परिवार बासी खाना और फलों-सब्जियों के छिलके ऐसी जगह डालते हैं, जहां मक्खियां भिनभिनाती रहती हैं। इससे एक परिवार को बहुत परेशानी होती है। बरसात के मौसम में स्थिति और बिगड़ जाती है। जब वह परिवार अन्य लोगों से निवेदन करता है कि 'यहां बासी खाना और छिलके न डालें' तो उनका जवाब होता है, 'हम ही तो अकेले नहीं डाल रहे? पहले उन सबको रोकें।' यानी, पहले सबको सुधार कर आएं, उसके बाद हम सुधरने के बारे में सोचेंगे! जयपुर से चलने वाली एक ट्रेन के जनरल डिब्बे में कुछ बच्चे मूंगफली खाकर छिलके वहीं बिखेर रहे थे। एक यात्री ने उनसे कहा, 'छिलके एक जगह इकट्ठे कर लें, इस तरह न बिखेरें', तो बच्चों के माता-पिता भड़क उठे, 'हमने किराया दिया है। हमारे बच्चे ही गंदगी फैला रहे हैं क्या? मूंगफली खा रहे हैं तो अपने पैसों की खा रहे हैं। आपका क्या जाता है? अगर सफाई का इतना ज्यादा शौक है तो झाड़ू लेकर पूरी ट्रेन साफ कर दें! हमारे बच्चों को कुछ कहेंगे तो ठीक नहीं रहेगा। हमें सफाई का पाठ न पढ़ाएं।' जब लोगों का रवैया ऐसा होगा तो स्वच्छता का स्तर क्या होगा? क्या ट्रेन का किराया देने का यह मतलब है कि उस व्यक्ति को गंदगी फैलाने का लाइसेंस मिल गया? लोग सुविधाएं शानदार चाहते हैं, लेकिन अपनी आदतों में सुधार नहीं करना चाहते। जब कोई उन्हें स्वच्छता का महत्त्व समझाता है तो वे इसे अपनी प्रतिष्ठा पर प्रहार समझ लेते हैं और झगड़ा करने लगते हैं। हम अपनी हर समस्या के लिए विदेशी आक्रांताओं को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। कई समस्याएं हमारी गलत आदतों की वजह से भी हैं। उनका समाधान असंभव नहीं है। हमें अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। आदतों को सुधारना होगा। स्वच्छता की शुरुआत हमसे होती है। अगर हम गंदगी फैलाना बंद करें, स्वच्छता का प्रसार करें तो भारत स्वच्छता सूचकांक में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सकता है।

ट्वीटर टॉक

हमें वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक- उदयलाल जी डांगी के पूज्य पिता मेघराज डांगी के निधन की दुखद खबर मिली है।ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को धैर्य और शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की खास मौजूदगी में हुई कोर कमेटी मीटिंग में हिस्सा लिया। मीटिंग में ऑर्गेनाइज़ेशनल प्रोग्राम की रूपरेखा और मज़बूत और एक्टिव करने के साथ-साथ कई दूसरे ज़रूरी मामलों पर डिटेल में चर्चा हुई।

-मदन राठौड़

पश्चिम बंगाल के मेरे साथी नागरिकों, लोकतंत्र के त्योहार में इगझ की जीत का झंडा फहराने का यह सुनहरा मौका आपके सामने है। मुझे पूरा भरोसा है कि 29 अप्रैल को आप वोटिंग में एक नया रिकॉर्ड बनाएंगे।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

आस्तिकता की कसौटी

महादेवी वर्मा और जवाहरलाल नेहरू के बीच बहन-भाई का सम्बन्ध था। जवाहरलाल महादेवी से अक्सर कहा करते कि, 'बहन जी, तुम तो बहुत आस्तिक हो। नित्य पूजा-पाठ करती हो, मैं तो निरा नास्तिक हूं, बिल्कुल नास्तिक!' 'देखेंगे, यह तो वक्त ही बताएगा कि तुम आस्तिक हो या नास्तिक।' महादेवी ने सहजता से उत्तर दिया। कुछ महीने बाद अभाग्यवश जवाहरलाल की पत्नी कमला का देहान्त हो गया। वे काफी समय से बीमार थीं। सारा घर शोक में डूब गया। जवाहरलाल को गहरा सदमा पहुंचा था। उनकी आंखें नम थी पर वे शान्त और गंभीर थे। खादी के सफेद कपड़े पहने, आस्था और श्रद्धा के साथ उन्होंने अपनी जीवन संगिनी का दाह-संस्कार किया। अपनी पत्नी की चिता की भस्म का थोड़ा-सा अंश सहेजकर उन्होंने एक डिबिया में रख लिया। उस डिबिया को वे अपने शयनागार में अपने सिरहाने रखा करते थे। कुछ दिनों के पश्चात महादेवी वर्मा ने उनसे कहा कि, 'अब बताओ जवाहर भाई, तुम आस्तिक हो या नास्तिक?' 'अभी तो आस्तिक हूं।' वे बोले। 'क्या करूं, मन नहीं मानता कि कमला नहीं है। मेरे आस-पास चारों ओर उसी का चेहरा घूमता दिखाई देता है।' वे भाव विह्वल हो उठे थे।

सामयिक

पंजाब में शुरू हुआ 'आप' का काउंटडाउन?

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

भारत की समकालीन राजनीति में शायद ही कोई घटना इतनी तेजी से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आई हो, जितनी राघव चड्ढा सहित सात राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से आई है। राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों का भाजपा में विलय केवल एक खबर नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी के 15 साल के इतिहास का सबसे बड़ा 'ब्लैकआउट' है। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर यह घटनाक्रम एक बड़े पॉलिटिकल अर्थक्वेक' के रूप में दर्ज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के 'पोस्टर बॉय' माने जाने वाले राघव चड्ढा सहित राज्यसभा के 7 सांसदों का एक साथ पाला बदलकर भाजपा में शामिल होना न केवल आप' के लिए एक अस्तित्वगत संकट है बल्कि यह देश की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाला घटनाक्रम भी है। यह सिर्फ दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता, विचारधारा और राजनीतिक रणनीति के बीच गहरे संघर्ष का संकेत है। जब राज्यसभा में पार्टी के कुल 10 में से 7 सांसद (दो-तिहाई बहुमत) एक साथ अलग होकर भाजपा में विलय करने का निर्णय लेते हैं तो यह दलबदल नहीं, एक वैचारिक और संगठनात्मक विद्रोह का प्रतीक बन जाता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय राजनीति 2027 के बड़े चुनावी चक्र की ओर बढ़ रही है। ऐसे में इस घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या 'आप' का 'पंजाब किला' अब ढहने के कगार पर है? क्या 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की पटकथा अभी से लिखी जा चुकी है? और सबसे बड़ा प्रश्न कि क्या यह 'आप' के पतन की शुरुआत है या फिर एक अस्थायी राजनीतिक झटका?

यह कहना जल्दबाजी होगी कि 7 सांसदों के जाने से आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी। राजनीति में रिक्तियां हमेशा भर दी जाती हैं। हालांकि यह निश्चित है कि आप अब अपनी सबसे कठिन अग्निपरीक्षा से गुजर रही है। यदि अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान अगले कुछ महीनों में पंजाब और दिल्ली के कैडर को एकजुट रखने में विफल रहे तो 2027 का चुनाव उनके लिए एक राजनीतिक ढ़लान साबित हो सकता है।

'आप' के अस्तित्व पर खड़ा सबसे बड़ा सवाल

आम आदमी पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक असहमति नहीं बल्कि लोकतंत्र पर सुनियोजित प्रहार करार दिया है। पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों के भय, दबाव और राजनीतिक प्रलोभनों के माध्यम से उसके सांसदों को तोड़ा गया, जिसे वह संस्थागत दुरुपयोग की श्रेणी में रखती है। यह आरोप भारतीय राजनीति में सत्ता बनाम विपक्ष की उस पुरानी बहस को फिर जीवित कर देता है, जहां नैतिकता और रणनीति आमने-सामने खड़ी दिखाई देती हैं। संवैधानिक दृष्टि से यह कदम और भी दिलचस्प हो जाता है। दलबदल विरोधी कानून की तकनीकी बारीकी (दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ अलग होने की शर्त) का उपयोग करते हुए राघव चड्ढा के नेतृत्व में सात सांसदों का भाजपा में विलय यह संकेत देता है कि यह केवल भावनात्मक निर्णय नहीं बल्कि गहन कानूनी सलाह और रणनीतिक योजना का परिणाम था। सबसे गंभीर आघात वैचारिक स्तर पर है। जब भीतर से ही यह स्वर उठे कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं बल्कि पहचान के संकट का संकेत बन जाता है और यही चुनौती आप' के लिए सबसे कठिन परीक्षा है।

पंजाब की राजनीति और 2027 का रण

पंजाब की राजनीति में उठी यह हलचल महज दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता समीकरणों के पुनर्गठन का संकेत है। इस विद्रोह का सबसे गहरा असर पंजाब की सियासत पर पड़ना तय है।

राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे (हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी) का पार्टी से अलग होना आप' की उस सामाजिक पकड़ को कमजोर करता है, जो विविध वर्गों के प्रतिनिधित्व से बनी थी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि भरोसे और प्रभाव का क्षरण है। सबसे बड़ी चुनौती भगवंत मान के सामने है। यह उनके नेतृत्व और राजनीतिक संतुलन की सीधी परीक्षा है। राघव चड्ढा को लंबे समय तक सरकार और संगठन के बीच रणनीतिक कड़ी माना जाता रहा, उनके हटने से यह संतुलन डगमगाता दिख रहा है।

दूसरी ओर, भाजपा इस घटनाक्रम को अवसर में बदलने की कोशिश में है। भाजपा पंजाब में हमेशा से एक 'छोटा भाई' (अकाली दल के साथ) बनकर रही है लेकिन 7 सांसदों के आने से, जिनमें सिखों और उद्योगपतियों का प्रतिनिधित्व है, भाजपा अब 2027 में 'अकेले दम' पर सरकार बनाने का सपना देख रही है। अब तक सहयोगी राजनीति तक सीमित रही भाजपा अब पंजाब में स्वतंत्र शक्ति बनने की दिशा में आक्रामक कदम बढ़ाती दिख रही है और 2027 का रण अब पहले से कहीं अधिक खुला और अनिश्चित हो गया है।

क्या खत्म हो जाएगी 'आप'?

इतिहास गवाह है कि क्षेत्रीय दल जब ऐसे बड़े विद्रोह का सामना करते हैं तो अक्सर वे या तो बिखर जाते हैं या फिर सिमटकर रह जाते हैं लेकिन आप की स्थिति थोड़ी भिन्न है। इसका सबसे बड़ा कारण है अरविंद केजरीवाल का व्यक्तित्व। आम आदमी पार्टी का आधार अरविंद केजरीवाल की व्यक्तिगत 'ब्रांडिंग' पर टिका है। जब तक दिल्ली और पंजाब जैसे अहम राज्यों में उनका जनाधार सुरक्षित है, तब तक 'आप' का पूर्ण पतन लगभग असंभव प्रतीत होता है। इसके समानांतर, 'आप' की ताकत उसका विकसित कैडर ढांचा है। आप ने पिछले एक दशक में एक मजबूत कैडर तैयार किया है। हालांकि शीर्ष स्तर पर योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण और अब राघव चड्ढा जैसे प्रमुख चेहरों का अलग होना पार्टी को बड़ा झटका देता है लेकिन जमीनी कार्यकर्ता अब भी पार्टी की विचारधारा से जुड़े हैं। एक वैकल्पिक, जनोन्मुख और व्यवस्था-विरोधी नेता की केजरीवाल की छवि अब भी पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी बनी हुई है।

आप के लिए अग्निपरीक्षा का समय

यह कहना जल्दबाजी होगी कि 7 सांसदों के जाने से आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी। राजनीति में रिक्तियां हमेशा भर दी जाती हैं। हालांकि यह निश्चित है कि आप अब अपनी सबसे कठिन अग्निपरीक्षा से गुजर रही है। यदि अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान अगले कुछ महीनों में पंजाब और दिल्ली के कैडर को एकजुट रखने में विफल रहे तो 2027 का चुनाव उनके लिए एक राजनीतिक ढ़लान साबित हो सकता है। दूसरी ओर, भाजपा ने इस मास्टरस्ट्रोक' के जरिए यह संदेश दे दिया है कि वह दिल्ली और पंजाब की सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। बहरहाल, 'आप' के लिए चुनौती अब केवल चुनाव जीतना नहीं बल्कि अपने अस्तित्व और साख को बचाए रखना है।

नजरिया

बिहार-नेपाल सीमा पर हो रहे बड़े बदलाव

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

नेपाल कहने को अलग देश है लेकिन सीमावर्ती इलाकों में जाइए तो पता नहीं चलता कहां भारत खत्म होता है कि और कहां से नेपाल शुरू। इसकी एक ऐतिहासिक वजह रही है कि दोनों देशों की सीमाएं सामान्य नागरिकों में भेद नहीं करती। यहां के बाजार उनके लिए खुले हैं, वहां के सामान यहां आराम से आते हैं। दरअसल दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ रिश्तों के नीचे यही आवागमन की सुगमता बुनियाद है। लेकिन हाल फिलहाल में कुछ ऐसा हुआ है जिससे इस बुनियाद के दरकने का डर पैदा हो गया है। नेपाल की बालेन सरकार के इस नए फैसलों ने इस 'सहज संबंध' पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों देशों में इस फैसले का विरोध हो रहा है। सीमा पर बढ़ती सख्ती, कस्टम ड्यूटी की वसूली और वाहनों की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति पैदा कर दी है। सीतामढ़ी जिले के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में हाल ही में जो घटनाएं सामने आईं, उन्होंने इस बदलते माहौल को और स्पष्ट कर दिया है। सोनबरसा प्रखंड के इंदरवा के पास नेपाली सुरक्षाकर्मियों द्वारा भारतीय वाहनों को रोककर जब्त किए जाने से अचानक तनाव फैल गया। बताया जाता है कि नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों के वाहनों को रोका गया और कुछ मामलों में अभद्र व्यवहार की शिकायत भी सामने आई। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना के विरोध में भारतीय पक्ष के लोगों ने भी नेपाल से आने वाले वाहनों को रोक दिया। देखते ही देखते सीमा पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई और दोनों तरफ आवाजाही बाधित हो गई।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल को हस्तक्षेप करना पड़ा। उनके प्रयासों के बाद नेपाल में जब्त किए गए वाहनों को छोड़ा गया, तब जाकर हालात सामान्य हो सके। दरअसल, यह तनाव केवल एक घटना तक सीमित नहीं है। इसके पीछे नेपाल सरकार का हालिया सख्त कस्टम नियम भी बड़ा कारण बनकर सामने आया है। नेपाल की बालेन सरकार ने पुराने नियम को सख्ती से अनुपालन करा रहे हैं।

नेपाल ने नया प्रावधान लागू करते हुए भारत से ले जाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य कर दिया है। यह शुल्क 5 प्रतिशत से लेकर 80 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके चलते भारत-नेपाल से सटे बिहार के इलाके वाले कस्बों के बाजार में मंदी आ गई है।

नेपाल बॉर्डर पर आने वाले ज्यादातर ग्राहक नेपाली थे, जिन्हें कम कीमत में सामान मिल रहा था। मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर पर भी स्थिति अलग नहीं है। यहां से नेपाल के बीरगंज तक रोजाना बड़ी मात्रा में सामान जाता था, लेकिन अब व्यापार लगभग ठप होने की कगार पर है।व्यापारियों का कहना है कि 100 रुपये से ऊपर हर सामान पर टैक्स लगने से लागत बढ़ जाएगी और ग्राहक खरीदारी से पीछे हट जाएंगे। इससे छोटे व्यापारियों और मजदूरों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। फिर नेपाल से कटे बिहार के कुछ जिलों में नेपाली वाहनों को पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगा दी गई है। इससे सीमावर्ती इलाकों में लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। दरअसल नेपाल में पेट्रोल की कीमत 31 रुपये ज्यादा है। रोक के पीछे वजह बताई जा रही है कि यहां से पेट्रोल-डीजल की तस्करी हो रही है। हालांकि, आपात स्थिति में 50 से 100 रुपये की पेट्रोल-डीजल देने की इजाजत है। अररिया, किशनगंज में सीमा से सटे पेट्रोल पंप काफी हद तक नेपाली खरीदारों से भरे रहते थे। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। नेपाल वैसे भी पेट्रोल-डीजल के लिए भारत पर बहुत निर्भर रहता है लेकिन ईरान युद्ध के कारण स्थिति और विकट हो गई है।

बालेन सरकार का तर्क है कि यह कदम स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और राजस्व बढ़ाने के लिए उठाया गया है। लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर आम लोगों और छोटे कारोबारियों पर ज्यादा दिखाई दे रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 की संधि के तहत खुले व्यापार और आवागमन की जो परंपरा रही है, उस पर इस तरह के एकतरफा फैसले असर डाल सकते हैं। चूंकि भारत और नेपाल सिर्फ बॉर्डर नहीं हैं बल्कि संबंधों की डोर है।

बालेन सरकार का तर्क है कि यह कदम स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और राजस्व बढ़ाने के लिए उठाया गया है। लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर आम लोगों और छोटे कारोबारियों पर ज्यादा दिखाई दे रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 की संधि के तहत खुले व्यापार और आवागमन की जो परंपरा रही है, उस पर इस तरह के एकतरफा फैसले असर डाल सकते हैं। चूंकि भारत और नेपाल सिर्फ बॉर्डर नहीं हैं बल्कि संबंधों की डोर है। सबसे बड़ी चिंता 'रोटी-बेटी' के उस रिश्ते को लेकर है, जो वर्षों से दोनों देशों को जोड़ता आया है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक संबंध दोनों तरफ फैले हुए हैं।: अगर इसी तरह सख्ती और नियम बढ़ते रहे, तो यह संबंध केवल कागजों तक सिमट कर रह सकता है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में जरूर है, लेकिन आने वाले दिनों में यह मुद्दा भारत-नेपाल संबंधों के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। सवाल यह भी है कि भारत के हाथ से नेपाल छूटा तो क्या होगा ?कुल मिलाकर युद्ध हो रहा है ईरान-अमेरिका-इजरायल में और लकीरें खिंच रही हैं भारत-नेपाल बॉर्डर पर। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जो भी मजबूरियां हो लेकिन इससे सीमा के दोनों तरफ आम लोगों को इससे दुश्वारियां हो रही हैं। ये इलाका ऐसा रहा है जहां सीमा के आर-पार रोटी-बेटी का रिश्ता है। दोनों इलाके पूरी तरह से एक दूसरे पर निर्भर करते हैं। खान-पान, बोल चाल, परंपराएं सब एक जैसी है। लेकिन अब ये सब अस्त व्यस्त हो रहा है। नेशनल लेवल पर ये भी ख्याल रखना चाहिए कि जैसे ही भारत के हाथ से नेपाल छूटता है, चीन उसके लिए बाहें फैला कर खड़ा रहता है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने संज्ञान लेते हुए अपनी कार्यवाही की व बताया कि 'हमने एक वरिष्ठ नेपाली अधिकारी का यह बयान भी देखा है कि निजी इस्तेमाल के लिए घरेलू सामान ले जा रहे आम लोगों को नहीं रोका जाएगा।'भारत के बिहार राज्य की सीमा नेपाल से लगती है। ऐसे में नेपाल के लोग बिहार आकर अपनी जरूरत का सामान ले जाते थे। अब विदेश मंत्रालय के बयान से साफ है कि निजी इस्तेमाल के लिए सामान ले जाने वाले लोगों को बिहार बॉर्डर पर नहीं रोका जाए। उधर भारत ने चाय के आयात को लेकर नये नियम बनाए हैं जो 1 मई से लागू होने वाले हैं। इस नये नियम से लेकर नेपाली निर्यातकों की नींद उड़ गई है। नेपाल के चाय निर्यातकों ने चेतावनी दी है कि भारत के इस फैसले के बाद नेपाल से विदेशी मुद्रा कमाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में भारी रूकावट आ सकती है। दरअसल टी बोर्ड इंडिया ने एक नई अधिसूचना जारी की है जिसके मुताबिक 1 मई से भारत आने वाली चाय की सभी खेपों की सख्त जांच की जाएगी जिसमें नेपाल चाय की जांच भी शामिल है। सरकार ने किसी भी देश से आने वाले चाय की सख्त लैब टेस्ट के आदेश दिए हैं जिसका मकसद मिलावट को रोकने और चाय की क्वालिटी को सुनिश्चित करना है। जो नोटिफिकेशन जारी किया गया है उसके स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) के तहत आयात की गई हर खेप की सैंपलिंग और टेस्टिंग की जाएगी। हालांकि इंस्टेंट टी और पीने के लिए तैयार चाय (रेडी-टू-ड्रिंक टी) को इससे छूट दी गई है। माना जा रहा है कि दार्जिलिंग के चाय उत्पादकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को माना गया है। वो लंबे समय से शिकायत कर रहे थे कि नेपाल की सस्ती चाय को 'दार्जिलिंग टी' बताकर बेचा जा रहा है जिससे उनका बाजार गिर रहा है। भारत के इस कड़े रुख को उसी 'ब्रांड सुरक्षा' से जोड़कर देखा जा रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से बनी तथा काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपदे के अभिनय से सजी एक दमदार सामाजिक-राष्ट्रीय फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है।

फिल्म एक गंभीर और समकालीन मुद्दे को उठाती है, जो राष्ट्रीय स्तर पर गूंजता है। मूल रूप से 'द इंडिया स्टोरी', रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों को उजागर करती है, जो खासतौर पर कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह कहानी किसी एक परिवार की परेशानी नहीं, बल्कि पूरे देश की है, जो देश के नागरिकों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को प्रभावित कर रही है। सिर्फ यही नहीं इस फिल्म में सिस्टम की खामियों और ज़रूरी सख्त नियमों की तरफ भी इशारा किया गया है। हालांकि इसके बारे में निर्माता सागर बी शिंदे कहते हैं, हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दर्शाती है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन सच यह है कि यह लाखों लोगों की जिंदगी को प्रभावित करती है। कीटनाशकों और रसायनों का गलत इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय संकट है, इसलिए इस फिल्म के जरिए हम जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं। इसके साथ ही हम सिस्टम की जवाबदेही और बदलाव पर बातचीत शुरू करना चाहते हैं।

निर्देशक चेतन न डीके ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा, इस कहानी को प्रामाणिक रूप से पेश करने के लिए पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है। काजल और श्रेयस ने बेहद शानदार और संवेदनशील अभिनय किया है, जिसने फिल्म को और ऊंचाई दी है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि कहानी दर्शकों को बांधे रखने के साथ-साथ गहरा असर भी छोड़े।

गौरतलब है कि अपने विविध किरदारों के लिए पहचानी जानेवाली काजल अग्रवाल और बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्रेयस तलपदे, इस फिल्म के ज़रिए पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। उनकी जोड़ी इस कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ने वाली है।

इसके अलावा आज के दौर में जहां दर्शक कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वहीं 'द इंडिया स्टोरी' खुद को एक प्रासंगिक और प्रभावशाली फिल्म के रूप में पेश करती है। अपने मजबूत संदेश और दिलचस्प कहानी के साथ-साथ दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुकी यह फिल्म एक प्रभावशाली सिनेमाई अनुभव देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इन सबके साथ जहां एक तरफ फिल्म की प्रस्तुति को और प्रभावशाली बनाते हैं सह-निर्माता सुमित बागड़े, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी का सहयोग, वहीं इसके तकनीकी पक्ष को और प्रभावशाली बनाते हैं डीओपी निशांत भगवत की सिनेमैटोग्राफी, मंगेश धाकड़े का संगीत, आशीष म्हात्रे की एडिटिंग, शकील आज़मी के गीत और अनमोल भावे का साउंड डिज़ाइन। यह फ़िल्म हिंदी के साथ तेलुगु और तमिल भाषा में भी रिलीज़ होगी।यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज़ की जाएगी।

शिवाजी महाराज पर आधारित किताब को लेकर विवाद 'अनावश्यक' : फडणवीस

सोलापुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित पुस्तक के प्रकाशक के खिलाफ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ की कथित टिप्पणियों से उपजे विवाद को मंगलवार को अनावश्यक करार दिया।

पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप सामने आई थी, जिसमें गायकवाड़ को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता गोविंद पानसरे की लिखी किताब 'शिवाजी कोण होता' का जिक्र करते और इसके प्रकाशक प्रशांत अंबी को धमकाते तथा उनके खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना जा सकता है। यह किताब मूल रूप से 1988 में प्रकाशित की गई थी।

सोलापुर में संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस ने कहा, यह किताब 1980 के दशक में प्रकाशित हुई थी। क्या विवाद खड़ा करने वालों ने इसे पढ़ा है? महान योद्धा (शिवाजी महाराज) का कद इतना ऊंचा है कि कोई उनका अपमान नहीं कर सकता। जो कुछ भी हो रहा है, वह असामाजिक और असंवेदनशील है। उन्होंने किताब पर उपजे विवाद को अनावश्यक बताते हुए केवल खबरों में बने रहने के लिए मुद्दों को सनसनीखेज बनाने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी दी।

आगामी विधान परिषद चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि उम्मीदवारों का चयन पार्टी का संसदीय बोर्ड करता है, न कि वह व्यक्तिगत स्तर पर। उन्होंने कहा, सभी फैसले पार्टी की प्रक्रिया के अनुसार लिए जाएंगे। बातचीत जारी है। उचित विचार-विमर्श के बाद उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए जाएंगे।

भारत को एस-400 मिसाइल प्रणाली की चौथी इकाई अगले महीने की शुरुआत में प्राप्त होने की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। भारत को सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली की चौथी इकाई रूस से अगले महीने के पहले हिस्से में प्राप्त होने की उम्मीद है। इससे भारतीय वायुसेना के वायु रक्षा तंत्र को और मजबूती मिलेगी। सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2018 में, भारत ने पांच मिसाइल प्रणालियां खरीदने के लिए रूस के साथ 5 अरब अमेरिकी डॉलर का एक समझौता किया था और इनमें से तीन की आपूर्ति पहले ही की जा चुकी है। सूत्रों ने बताया कि मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति के लिए संशोधित समय-सीमा के अनुसार, पांचवीं इकाई नवंबर तक सुपुर्द कर दी जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 मिसाइल प्रणालियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

पिछले महीने, नई दिल्ली ने रूस से पांच एस-400 मिसाइल प्रणालियों की एक नई खेप की खरीद को मंजूरी दी थी, जिससे इसकी कुल संख्या 10 हो जाएगी।

रिव्यू

यूनियन हेल्थ मिनिस्टर जे.पी. नड्डा ने मंगलवार को नई दिल्ली में नए खुले कर्तव्य भवन-1 में बने मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ ऑफ़िस का रिव्यू किया और अधिकारियों से बातचीत की।

अगर वह 'सिंघम' हैं, तो मैं 'पुष्पा' हूं: आईपीएस अधिकारी के दौरे पर तृणमूल नेता जहांगीर खान

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने निर्वाचन आयोग की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी अजय पाल शर्मा के क्षेत्र का दौरा करने पर मंगलवार को आपत्ति जताई। खान ने कहा कि अगर शर्मा सिंघम हैं, तो वह पुष्पा हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने शर्मा पर पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाते हुए फाल्टा में उनके खिलाफ प्रदर्शन किया।

अधिकारियों ने बताया कि शर्मा को तृणमूल समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने फाल्टा में खान के आवास के साथ-साथ उनके चुनाव कार्यालय के बाहर 'जय बांग्ला' के नारे लगाए।

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग को खबर मिली थी कि खान के समर्थक फाल्टा में लोगों से कथित तौर पर उनके मतदाता पहचान पत्र एकत्र कर रहे थे और उन्हें धमका रहे थे, जिसके बाद शर्मा ने क्षेत्र का दौरा किया।

अधिकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सिंघम के नाम से मशहूर शर्मा ने फाल्टा के अपने दौरे के दौरान स्पष्ट किया कि वह खान और उनके समर्थकों को मतदाताओं को डराने-धमकाने नहीं देंगे।

शर्मा उन 95 पर्यवेक्षकों में शामिल हैं, जिन्हें निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण के चुनाव में स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया है।

खान ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से तैनात पुलिस अधिकारियों को मतदाताओं को डराने-धमकाने नहीं देंगे।

तृणमूल उम्मीदवार ने कहा, यह बंगाल है; अगर वह (शर्मा) 'सिंघम' हैं, तो मैं 'पुष्पा' हूं। फाल्टा में भाजपा की ओर से तैनात उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों की किसी भी तरह की धमकी या दबाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, वे पुलिस बल के साथ आए और मुझ पर तथा मेरे लोगों पर दबाव डालने की कोशिश की। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे कृत्य स्वीकार्य नहीं हैं।

चश्मदीदों के अनुसार, शर्मा सोमवार देर रात खान के आवास पर पहुंचे थे और कहा था कि अगर मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोई शिकायत मिलती है, तो अधिकारी तत्काल कठोर कदम उठाएंगे।

फाल्टा विधानसभा सीट डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जिसका प्रतिनिधित्व अभिषेक बनर्जी करते हैं।

सुरक्षा घेरे के बीच खाटू श्याम दरबार पहुंचीं जया प्रदा

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की वरिष्ठ अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा लंबे समय से अपने अभिनय और सादगी भरे व्यक्तित्व के कारण लोगों के बीच खास पहचान रखती हैं। अभिनय और राजनीति दोनों क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना चुकी जया प्रदा अक्सर धार्मिक स्थलों पर भी नजर आती हैं। इस कड़ी में मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा वीडियो साझा किया, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस वीडियो में वह भक्ति के रंग में रंगी हुई दिखाई दी। जया प्रदा ने मंगलवार को राजस्थान स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने इस खास पल का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया। वीडियो में अभिनेत्री पर्पल कलर के सूट में नजर आई। वीडियो में वह मंदिर परिसर में पूरे श्रद्धा भाव से पूजा करती दिख रही हैं। इस दौरान उन्होंने सिंदूर से स्वास्तिक चिन्ह बनाया और फिर माथे पर तिलक लगाया। उनके आसपास सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम साफ नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो को साझा करते हुए जया प्रदा ने कैप्शन में लिखा, ''आज खाटू श्याम जी के दरबार में श्याम बाबा के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।'' अगर जयाप्रदा के फिल्मी सफर की बात करें तो उन्होंने भारतीय सिनेमा में एक लंबा सफर तय किया है। आंध्र प्रदेश में जन्मीं जया प्रदा ने बहुत कम उम्र में फिल्मों की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी समेत कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सरगम', 'तोहफा', 'शराबी', 'संजोग' और 'आखिरी रास्ता' जैसी फिल्में शामिल हैं। जया प्रदा ने अमिताभ बच्चन और जितेंद्र समेत कई बड़े सितारों के साथ काम किया। वह लंबे समय तक हिंदी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी गईं। फिल्मों में सफलता हासिल करने के बाद उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा। वह कई सालों तक सक्रिय राजनीति का हिस्सा रहीं और उत्तर प्रदेश के रामपुर से सांसद भी चुनी गईं। अभिनय और राजनीति दोनों क्षेत्रों में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई।

अदा शर्मा फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर उत्साहित

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा आने वाली फिल्म 'गवर्नर' में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर खुश हैं। वे इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ काम करके बहुत खुश हैं। इसके साथ ही, अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी की खूब प्रशंसा की। मनोज बाजपेयी के साथ पहली बार काम करने के बारे में अदा शर्मा ने से बात करते हुए ङ्कङ्ककहा, वह (बाजपेयी) इस फिल्म का चेहरा हैं। वह 'गवर्नर' में गवर्नर का रोल निभा रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार के बारे में अदा शर्मा ने कहा, मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुश हूं। हमारे डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर बहुत अच्छे हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया। बता दें कि 23 अप्रैल को मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया था। फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह ने यह पोस्टर रिलीज किया।

चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' के पहले पोस्टर में मनोज पीछे से नजर आ रहे हैं। वह एक बैग लेकर कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ टैगलाइन है, 'अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा', जो एक जबरदस्त लीगल ड्रामा की ओर इशारा करती है।पोस्टर में एक हरी कुर्सी को खास तौर पर दिखाया गया है, जिसके साथ टैगलाइन हैं- 'यह सिर्फ कुर्सी नहीं, जिम्मेदारी है।' यह टैगलाइन देश पर आधारित एक गंभीर कहानी की ओर इशारा करती है। चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित इस फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है। विपुल अमृतलाल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर हैं और को-प्रोड्यूसर आसीन ए. शाह हैं। इसकी कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है।

प्रदर्शन

उत्तराखंड महिला कांग्रेस की प्रेसिडेंट ज्योति रौतेला की लीडरशिप में महिला कांग्रेस वर्कर्स ने उत्तराखंड असेंबली के स्पेशल सेशन के दौरान 33 परसेंट महिला रिज़र्वेशन को तुरंत लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

समय और अनुभव के साथ बदला काम चुनने का नजरिया : सई ताम्हणकर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और मनोरंजन की दुनिया में कलाकारों की सोच, पसंद और काम को देखने का नजरिया बदलता रहता है। कई कलाकार अपने करियर की शुरुआत में हर तरह के किरदार निभाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे अनुभव बढ़ने के साथ वे यह समझने लगते हैं कि उन्हें किस तरह का काम करना है और दर्शकों के बीच कैसी पहचान बनानी है। इसी विषय पर अभिनेत्री सई ताम्हणकर ने से खुलकर बात की है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह बरखा के किरदार में नजर आ रही हैं। ने जब सई ताम्हणकर से पूछा कि क्या उनके करियर में ऐसा कोई मोड़ आया, जब उन्होंने यह तय किया कि अब वह कुछ खास तरह के किरदार नहीं करेंगी?

सई ने हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए है। उन्होंने 'हंटरर', 'लव सोनिया', 'मिमी', 'इंडिया लॉकडाउन' और 'ग्राउंड जीरो' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा है। इन फिल्मों में उनके किरदार काफी अलग रहे हैं। सई ताम्हणकर वेब सीरीज बिंदिया के बाहुबली में भी अपनी डायलॉग डिलीवरी से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं।

इस सवाल का जवाब देते हुए सई ने कहा, ''मेरे जीवन में ऐसा कोई भी बड़ा मोड़ नहीं आया। यह बदलाव धीरे-धीरे अनुभव के साथ आता है। जब कोई कलाकार लंबे समय तक इस उद्योग में काम करता है, तो उसे खुद की पहचान समझ आने लगती है। वह यह महसूस करने लगता है कि उसे किस तरह का काम करना अच्छा लगता है और वह चाहता है कि लोग उसे किस तरह के किरदारों के लिए याद रखें।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यह पूरी प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इंसान समय के साथ सीखता है और उसकी सोच भी बदलती रहती है। अब शायद मुझे अपने काम और अपने चुनावों को लेकर पहले से ज्यादा स्पष्टता मिल गई है। इसी वजह से लोगों को मेरे काम में बदलाव नजर आ रहा है। हालांकि मैंने अपने लिए कोई सख्त नियम नहीं बनाए हैं कि मैं कौन सा किरदार करूंगी और कौन सा नहीं।''

सई ताम्हणकर ने कहा, ''मेरी पसंद और सोच समय के साथ स्वाभाविक रूप से बदली है। अनुभव, लगातार काम करने की प्रक्रिया और जीवन में आई समझदारी ने मेरे नजरिए को बदल दिया है। अब मैं पहले से अलग तरह की कहानियों और किरदारों की तरफ ज्यादा आकर्षित होती हैं। यह बदलाव किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपने आप आया है।''

अभिनय की दुनिया में आने से पहले सई ताम्हणकर खेलों में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह स्टेट-लेवल की कबड्डी प्लेयर रह चुकी हैं और कराटे में ऑरेंज बेल्ट भी हासिल कर चुकी हैं। अभिनय की दुनिया में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मराठी टीवी सीरियल्स में छोटे और सहायक किरदार निभाकर की थी। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में खास पहचान बनाई।

यश स्टारर 'टॉक्सिक' को लेकर उत्साहित रुक्मिणी वसंत, बोलीं- ऐसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

मुंबई/एजेन्सी

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, मुझे लगता है कि हमारी

डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्टस भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

मायुमं बेंगलूरु ने होसकोटे में की अन्नदान सेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु द्वारा होसकोटे में 'खुशियों की थाली' अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1500 जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। श्याम डेकोर के जितेंद्र, मोहित अग्रवाल तथा प्रथम हार्डवेयर एंड पेंट्स के अमित मोहन अग्रवाल के सौजन्य से आयोजित इस सेवा कार्य में लोगों को भोजन वितरण किया गया। इस अन्नदान कार्यक्रम में मायुमं के अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, सचिव सीए विनोद गर्ग के साथ अन्य सदस्यों ने सेवा प्रदान की।

प्रेम ही धर्म का असली प्राण है और साधना का राजमार्ग है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दोड्डनिकुन्दी गौशाला में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि संप्रदायवाद, गरीब, अमीर, छोटे, बड़े, तेरे और मेरे के संकीर्ण विचारों के कीटाणु, परमाणु बम से ज्यादा खतरनाक है। जब व्यक्ति इनका त्याग करके प्राणी मात्र को समान भाव से प्रेम और वात्सल्य लुटाता है तो उसका आध्यात्मिकता में प्रवेश हो सकता है। दीक्षार्थी संजय पुंगलिया को आशीर्वाद प्रदान करते हुए संतश्री ने कहा कि संत जीवन को किसी बाहरी उपासना पद्धति के कर्मकांड में कैद नहीं किया जा सकता, संत की पहचान वेश नहीं विचारों से होती है। उन्होंने कहा कि जैसे कुएं में मीठा पानी होगा तो बाल्टी में मीठा ही आएगा, वैसे ही संत के अंतर्मन में जितना प्रेम होगा उतना ही जनता को लुटाएगा। नफरत से शैतान बनता है तो प्रेम भगवान बनाता है। मुनि कमलेश ने बताया कि जो संत होकर भी नफरत के कीटाणु से ग्रसित होता है वह कितनी कठोर साधना कर ले आत्म कल्याण नहीं कर सकता।

राष्ट्रसंत ने कहा कि जब विश्व के सभी परंपरा के संत एक मंच पर खड़े होकर बोल देंगे कि हमारे में कोई मतभेद नहीं है, हम सभी प्रेम के पुजारी होंगे उसी पल विश्व में शांति स्थापित हो जाएगी। प्रेम ही धर्म का असली प्राण है साधना का राजमार्ग है।

आपस में प्रेम नहीं है तो सम्यक ज्ञान, दर्शन, चरित्र का मार्ग प्राप्त नहीं हो सकता है । अंत में कहा कि जिसमें भेदभाव का जहर नहीं, वह श्रावक भी संत से महान है और जिसमें भेदभाव का जहर है वह धार्मिक तो क्या, इंसान कहलाने लायक भी नहीं है।

सम्राट संप्रति के काल में जैनधर्म का विदेशों में हुआ व्यापक प्रसार : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। मंगलवार को स्थानीय मुनिसुव्रतस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन विधि-विधानों के दौरान जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के बड़े भ्राता राजा नंदिवर्धन ने महावीर स्वामी की अनेक मनोहारी प्रतिमाओं का निर्माण कराया था। राजस्थान के सिरोही और पाली जिले के नाणा-बेड़ा, नांदिया और दियाणा में आज भी वे प्रतिमाएं भव्यता के साथ लोगों की श्रद्धा और भक्ति की मिसाल हैं। आचार्यश्री ने कहा कि मूर्तिपूजा के क्षेत्र में जैनधर्म का सर्वाधिक प्राचीन इतिहास है। पुरातत्व विभाग के अनुसार मथुरा के जैन स्तूप, कंकाली टीले से निकली प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव की मनोहारी प्रतिमा हजारों वर्ष प्राचीन हैं। मथुरा के सरकारी संग्रहालय में सुरक्षित यह प्रतिमा संभवतः विश्व के मूर्तिपूजा के इतिहास का सबसे प्राचीन प्रमाण है, जो जैनधर्म के मूर्तिपूजा के महत्व को सार्थक करता है। बाकी परंपराओं में मूर्तिपूजा बाद में आई है। जैन धर्मशास्त्रों में ऐसे अनेक कथानक और उल्लेख मिलते हैं जो यह बताते हैं कि हर तीर्थंकर के काल में मूर्तिपूजा आध्यात्मिक उपासना-आराधना का महत्वपूर्ण उपक्रम था।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने इतिहास के स्वर्णिम अध्याय का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि सम्राट अशोक के पौत्र सम्राट संप्रति ने अपने जीवनकाल में 36 हजार जैन मंदिरों का नवनिर्माण और 89 हजार पुराने जैन मंदिरों का जीर्णोद्धार करवा कर बेजोड़ इतिहास बनाया था। उन्होंने सवा करोड़ तीर्थंकर प्रतिमाओं का निर्माण करवाकर विश्व के मूर्तिपूजा के इतिहास में यशस्वी कीर्तिमान स्थापित किया था। वर्तमान में समय समय पर विश्व के ईरान, इराक, तुर्की, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, इथियोपिया, सोमालिया, केन्या, सूडान, इजिप्त, ओमान, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, तजीकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, भूटान, बर्मा, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया और वियतनाम में उत्खनन के दौरान अनेक जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं प्राप्त हो रही हैं। उल्लेखनीय हैं कि ये सभी संप्रतिकालीन जैन प्रतिमाएं हैं, जो इस देशों तक जैन धर्म के प्रसार-प्रचार और उसके व्यापक अस्तित्व का प्रामाणिक इतिहास है। संप्रति के काल में इन देशों में जैन साधुओं के विहार होते थे। गणि पद्मविमलसागरजी के मार्गदर्शन में माणिभद्र वीर, घंटाकर्ण वीर, शनि देव, वरुण यक्षराज, अच्छूप्ता देवी, अंबिका देवी और लक्ष्मी माता के पांच अभिषेक व तीन मार्जन विधान के बाद विविध प्रकारी पूजा की गई। फिर हवन कुंड में 108 आहुतियां दी गईं।

संसार के सारे दुखों से मुक्ति दिलाने वाली साधना में बढ़ने का नाम है महाअभिनिष्क्रमण : जयपुरंदरमुनि

मुमुक्षु पुंगलिया की महाअभिनिष्क्रमण यात्रा में लहराया संयम अनुमोदना का सागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में आचार्य पार्श्वचंद्रजी व पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में जैन भागवती दीक्षा स्वीकार करने जा रहे मुमुक्षु संजय पुंगलिया के त्रिदिवसीय दीक्षा महोत्सव के दूसरे दिन मुमुक्षु की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। तेरापंथ भवन गांधीनगर से सैंकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा दीक्षार्थी की जयजयकार, 'संसार खारो ज़हर है, दीक्षा में लीला लहर है, लेने जैसा क्या है संयम संयम आदि भावपूर्ण नारों से गगन गुंजायमान करते हुए शोभायात्रा फ्रीडम पार्क पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हो गई। संतश्री जयपुरंदरमुनिजी ने मुमुक्षु संजय पुंगलिया की महाअभिनिष्क्रमण यात्रा के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि महाअभिनिष्क्रमण का अर्थ है संसार के समस्त पाप कार्यों से विमुख होकर मोक्ष मार्ग की साधना हेतु प्रवृत्त होकर आगे बढ़ना। उन्होंने संयम को सच्चे जीवन की राह बताते हुए कहा कि संयम लेना, जीवन को सफल बनाना है। इसके साथ ही संयम लेने वालों का सहायक बनना और संयम की अनुमोदना करना भी बड़े पुण्य का उपार्जन कराता है। समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिजी ने वैरागी वैरागन सेवार्थ वैयावच्च योजना के स्थाई स्तम्भ सदस्य की 10 वर्षीय सहयोग योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस निधि का उपयोग मुमुक्षुओं को संयम मार्ग पर आगे बढ़ाने में सदुपयोग होने से इसके सहयोगी चतुर्विध संघ की अभिवृद्धि में सहायक बनाने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं।

अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणकुमार गोटावत, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पारसमल रांका, राष्ट्रीय मंत्री विनोद बोहरा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बीए कैलाशचंद्र जैन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवन्तमल नाहर, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशादेवी कटारिया, जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भावेश धोका, त्रयनगर शाखा के कार्याध्यक्ष जयप्रकाश मकाणा, अध्यक्ष आशीष मकाणा ने सम्मिलित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का संचालन मनोहरलाल डुंगरवाल ने किया। शोभायात्रा की सुचारु व्यवस्था संभालने वाले जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन, पंडाल व्यवस्था प्रभारी सुनील गादिया टीम, भोजन व्यवस्था प्रभारी माणकचंद बोहरा टीम, जेपीपी जैन गुरु सेवा समिति के अध्यक्ष आनंद सेठिया, बड़े गीत व्यवस्था प्रभारी महेंद्रकुमार चोरड़िया का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भारत के विभिन्न नगरों से संघ के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित थे। बुधवार को प्रातः 9 बजे से फ्रीडम पार्क में आयोजित दीक्षा समारोह में आचार्य पार्श्वचंद्र के मुखारविंद से मुमुक्षु संजय पुंगलिया की जैन भागवती दीक्षा संपन्न होगी।

कर्नाटक लोकभवन में 'राजस्थान स्थापना दिवस' मनाया गया

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का दिखा अनूठा संगम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु स्थित लोकभवन (राजभवन) का ग्लास हाउस रविवार को राजस्थानी संस्कृति के रंगों से सराबोर हो उठा। अवसर था राजस्थान स्थापना दिवस का, जिसे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के तहत बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने की, जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत डॉ. राघवश्री एस. के 'श्री विनायक नमो' भरतनाट्यम से हुई। इसके बाद मंच पर सुरों का ऐसा जादू बिखरा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। पद्म श्री से सम्मानित लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने कजरी, चैती और ठुमरी की प्रस्तुतियों से अवधी और भोजपुरी संस्कृति की झलक पेश की। राजस्थानी भजन गायक प्रकाश माली के भक्ति गीतों ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।ङ्गराज्यपाल थावर चंद गहलोत ने राजस्थान की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान केवल एक राज्य नहीं, बल्कि त्याग, वीरता और समृद्ध विरासत का प्रतीक है। थार के रेगिस्तान से लेकर अरावली की पहाड़ियों तक, इसकी हर मिट्टी में गौरवशाली इतिहास छिपा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर एक राज्य का स्थापना दिवस दूसरे राज्य में मनाना सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने वाला कदम है।

मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कर्नाटक की जनता और राज्यपाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों और भक्तों की धरती है। ऐसे आयोजनों से देश की 'अनेकता में एकता' की पहचान और गहरी होती है। उन्होंने सभी से वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प में योगदान देने का आह्वान किया। इस समारोह में कई गणमान्य नागरिक और अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम ने न केवल राजस्थान की कला, जैसे घूमर और कालबेलिया की याद दिलाई, बल्कि यह संदेश भी दिया कि भौगोलिक दूरियों के बावजूद भारत की आत्मा एक है।

'गौमाता सम्मान आह्वान रैली' निकालकर गाय के प्रति दिखाई जागरूकता

देशव्यापी अभियान को मिला भारी जनसमर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गौ माता सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत सोमवार को पूरे भारत में एक देशव्यापी पहल का आयोजन किया जिसमें करोड़ों स्वयंसेवकों ने एक साथ मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का प्रयास किया। इस अभियान के तहत भारत के 5400 से अधिक तहसील कार्यालयों में गौभक्तों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के नाम औपचारिक ज्ञापन सौंपा। इस अभियान के उद्देश्यों में गौ हत्या रोकने के लिए जन जागरूकता बढ़ाना, गौ संरक्षण को बढ़ावा, गौमाता को राष्ट्रमाता के रूप में मान्यता दिलवाने की अपील व प्रयास करना था। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत बेंगलूरु के उत्तर, दक्षिण व पूर्व क्षेत्र सहित आनेकल, यलहंका आदि तहसीलदार कार्यालयों में गौभक्तों ने ज्ञापन दिया तथा गौवध निषेध, गौ संरक्षण व गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने की अपील की। गौभक्तों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 'गौमाता सम्मान आह्वान' रैली निकाली तथा विभिन्न तहसीलदार कार्यालयों में ज्ञापन दिया।

पुदुचेरी में अंडर-13 नेशनल शतरंज चैंपियनशिप में भाग लेंगे ईशान भंसाली

कर्नाटक राज्य अंडर शतरंज चैंपियनशिप में युवा प्रतिभाओं ने शानदार प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मैसूर में आयोजित कर्नाटक राज्य अंडर-13 शतरंज चैंपियनशिप-2026 में राज्य के युवा प्रतिभाओं ने शानदार प्रदर्शन किया। ओपन वर्ग में टीसीआईएस स्कूल वर्तूर के अध्या गौड़ा ने 9 में से 8 अंक हासिल कर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। वहीं बेंगलूरु के सेंट जोसेफ बॉयज हाई स्कूल के ईशान भंसाली 7.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ज्ञातव्य है कि ईशान भंसाली आदर्श कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष केके भंसाली के पौत्र व कीर्ति भंसाली के पुत्र हैं। ङ्गवहीं न्यू होराइजन पब्लिक स्कूल के समंत नटराज नायडू ने 7 अंक प्राप्त किए और टाईब्रेक के आधार पर तीसरा स्थान हासिल किया। एनपीएस स्कूल इन्दिरानगर के अभिनव आनंद और केन्द्रीय विद्यालय डीआरडीओ के समक्ष अशोक ने 7-7 अंक प्राप्त कर क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया। दूसरी ओर महिला वर्ग में डीपीएस बेंगलूरु ईस्ट की श्रेया राजेश ने 9 में से 7.5 अंकों के साथ अजेय रहते हुए चैंपियन बनीं।

ईशान भंसाली

डीपीएस बेंगलूरु नॉर्थ की इंदुशीतला एन. ने भी 7.5 अंक हासिल किए, लेकिन टाईब्रेक के आधार पर उन्हें दूसरा स्थान मिला। दोनों श्रेणियों के शीर्ष दो खिलाड़ी 3 से 9 सितंबर तक पुदुचेरी में होने वाली अंडर-13 नेशनल शतरंज चैंपियनशिप में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग ने बच्चों को अश्लील गानों पर नृत्य कराने पर प्रतिबंध लगाया

बेंगलूरु। कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों को अश्लील गानों पर नृत्य कराने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। एक परिपत्र जारी कर यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि इस तरह के नृत्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालेंगे। इससे अनुशासनहीनता पैदा होगी और शिक्षा की पवित्रता को ठेस पहुंचेगी। राज्य के शिक्षा विभाग के आयुक्त कार्यालय ने एक परिपत्र जारी कर कहा, राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के सभी उप निदेशकों (प्रशासन) को निर्देश दिया गया है कि वे राज्य के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में बच्चों या छात्रों को अश्लील गीतों पर नृत्य करने से रोकने के लिए सख्त उपाय करें।

इसमें कहा गया, यदि यह पाया जाता है कि बच्चों को अश्लील गानों पर नृत्य कराया जा रहा है, तो ऐसे स्कूल के प्रधानाध्यापक या प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस का पदाधिकारी पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार

बेंगलूरु। कांग्रेस के एक पदाधिकारी को 16-वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ कथित अनुचित व्यवहार के मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि 40-वर्षीय शिकायतकर्ता (लड़की के पिता) ने कांग्रेस पदाधिकारी आनंद पी. पर मारपीट करने, आपराधिक धमकी देने और जोर-जबरदस्ती के आरोप भी लगाए हैं। प्राथमिकी के अनुसार, आनंद कथित तौर पर शिकायतकर्ता के घर आता-जाता था और उसने शिकायतकर्ता की पत्नी के साथ अवैध संबंध बना लिया था। पुलिस के अनुसार, जब शिकायतकर्ता ने कथित (अवैध) संबंध पर सवाल उठाया, तो उसकी पत्नी और कांग्रेस पदाधिकारी आनंद ने कथित रूप से उसपर हमला किया तथा उसकी हत्या की कोशिश की। शिकायत में नाबालिग लड़की के खिलाफ भी बार-बार हिंसा के आरोप लगाए गए हैं। प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी और शिकायतकर्ता की पत्नी ने कथित रूप से नाबालिग बच्ची पर कई बार डंडों और चाकू से वार किया, जिससे वह जख्मी हो गयी और रक्तस्राव भी हुआ।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसके पास फोटो के तौर पर इन घटनाओं के सबूत मौजूद हैं। शिकायतकर्ता ने आनंद पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ अनुचित व्यवहार का भी आरोप लगाया। प्राथमिकी में उसके हवाले से कहा गया है, आनंद ने मेरी 16-वर्षीय बेटी को अनुचित तरीके से छुआ और उससे अश्लील बातें भी कीं। पुलिस ने बताया कि शिकायत में आनंद पी. पर संपत्ति के मामलों में भी आपराधिक धमकी और जोर-जबरदस्ती के आरोप लगाए गए हैं।

उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लायन विष्णु अभिमानी संघ नागप्पा ब्लॉक द्वारा बेंगलूरु नगर देवता अण्णम्मा देवी उत्सव हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**